

● तर्ष-6

● अक-26

रायपुर, शनिवार
05 सितंबर 2026

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

॥ संगछध्वम् संवदध्वम् ॥

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>> श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रेम और...



शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुजनों के नाम लिखा आत्मीय पत्र

प्रिय गुरुजनों,

आप सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

शिक्षक दिवस का अरथ आगे ही सब आभारस्य आभने विद्यार्थी जीवन की ओर नज़र जाता है। स्कूल की ये कक्षाएँ, गुरुजनों का ये घर अमृतस्य, उनकी सीध और जीवन को दिया देने वाली छोटी-छोटी बातें आज भी स्मृतियों में जीवंत हैं। समय किताब भी बोल जाए, जीवन किताब भी आगे बढ़ जाए, अपने शिक्षकों के प्रति आदर और कृतज्ञता का पाठ कभी कम नहीं होता।

मेरा जन्म जगदगुरु विवेक के रसिया गौर के एक साधारण किसान परिवार में हुआ। गौर के स्कूल से मेरी शिक्षा की शुरुआत हुई। जीवन में बहुत छोटी उम्र में ही कठिन परिश्रम की। जब मैं लगभग दस वर्ष का था और चौथी कक्षा में पढ़ता था, तभी पिताजी का साया फिर से ख गया। परिवार, खेती और छोटे भाइयों की पिता कम उम्र में ही जीवन का हिस्सा बन गई।

गौर में चौथी तक पढ़ाई करने के बाद आगे की शिक्षा के लिए निकलूँ वाला पड़ा। लोदीला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक छोटे से कमरे में रहकर पढ़ाई की। नम में अपने पढ़ाई की इच्छा थी, लेकिन परिवार की परिस्थितियाँ ऐसी थीं कि शिक्षा का आम आदमी नहीं खाई खासतः अपनी जेबानी और छोटे-सूअरों की पढ़ाई से आगे बढ़ना।

उस दौर में गौर के एक बच्चे के लिए शिक्षा तक पहुँचना आज तिनका सहज नहीं था। बहुत दूर होते थे, आगे-पिछाने के साधन लेकिन ये, पढ़ाई के संसाधन कम थे और अधिक कठिनाइयाँ हुई बच्चों के सपनों के रास्ते में खड़ी हो जाती थीं। आज जब पीछे मुड़कर देखाता हूँ तो सुखद, अनुभूति होती है कि शिक्षा की दुनिया किमती धनराज्य है।

जिस समय हमने क्लेट, तल्की और पाँच से अपनी पढ़ाई शुरू की थी, आज उसी कमीसगढ़ के बच्चे समूह कालस में पढ़ रहे हैं, डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं और विज्ञान पर आधुनिक तकनीक से जुड़े रहे हैं। कभी दूरस्थ अंतराी ने विज्ञानस तक पहुँचना मुश्किल थी, आज सभी क्षेत्रों में डिजिटल विज्ञान, आधुनिक रीतिगणित संसाधन और सर अक्सर बच्चों के द्वारा तक पहुँच रहे हैं।

लेकिन इस पूरे परिवर्तन के बीच एक बात तब भी सत्य थी और आज भी उत्तरी हो सत्य है - शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षक ही हैं।

तकनीक बच्चे को जानकारी दे सकती है, पुरानी कूड़े ज्ञान दे सकती है, आधुनिक संसाधन सीखने की राह आसान बन सकते हैं, लेकिन किसी बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाने, उसके संस्कार गढ़ने, उसकी प्रतिभा पहचानने और उसे एक अच्छा मध्यम बनाना का सामर्थ्य केवल एक संवेदनशील शिक्षक में होता है।

मेरे अपने जीवन में भी गुरुजनों से मिली सीध ने कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का साहस दिया। इसलिए मैं शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाला एक उत्प्रेरक मानता हूँ।

हमारे सरकार का प्रयास है कि जिन अभावों और कठिनाइयों के कारण कभी किसी बच्चे की पढ़ाई रुक जाती थी, वे आज किसी बच्चे के सपनों के रास्ते की बाधा न बन। कोई बच्चा केवल इसलिए पीछे से रह जाए कि वह किसी छोटे गाँव, नगरपाल या दूरस्थ क्षेत्र में जन्मा है।

दूसरी सीध के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसूच शिक्षा की अधिक सहाय, आधुनिक, व्यावहारिक और बच्चे की प्रतिभा के अनुसार सहाय की प्रदान में हम आगे बढ़ रहे हैं। मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं में सीखने के अवसर बढ़ रहे हैं। कीर्तन और व्यावहारिक ज्ञान को शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लास और आधुनिक रीतिगणित संसाधनों का विस्तार हो रहा है। वसर के उन क्षेों में भी शिक्षावाली की पहिँच फिर सुनाई दे रही है, जहाँ परिस्थितियों के कारण बच्ों तक स्कूल तक नहीं है।

बढ़ रहतार केवल पत्राँ, तकनीक और सुविधाओं का नहीं है। हम ऐसा प्रोत्साहन बनाया चाहते हैं, जहाँ किसी बच्चे की परिस्थितियाँ उसके सपनों की सीमा तब न बनें।

इस संकल्प को धरातल पर उतारने की सबसे बड़ी शक्ति आप हैं - हमारे शिक्षक।

आपके आगते दौर का क्या आगे भीतर अतीवार्थ सेवागारों को प्राप्त है। कोई भविष्य का वैधानिक हो सकता है, कोई विचारों, कोई विचार, कोई शिक्षक, कोई कलाकार और कोई जनसेवा। कोई बच्चे को स्वयं भी अपनी क्षमता का पता नहीं होता, लेकिन एक शिक्षक की पक्की दृष्टि उसे पहचान लेती है। आशा करता हूँ आप ज्ञानसागर का एक वाक्य किसी बच्चे को जीवन सर आगे बढ़ने की सक्ति दे सकेंगे।

दूसरीगि आपसे मेरा एक आत्मीय आग्रह भी है - हर बच्चे के भीतर छिपी सोनापार को पहचानिए। विवेकस्य इस बच्चे का हृदय अमृतस्य सौंदर्य, नो संशय है, जोधन में है या किसी कारण पीछे छुट रहा है। हो सकता है आपका बीदा-सा विज्ञान उसके पूरे जीवन की दिशा बतल दे।

आप शिक्षक दिवस पर आप सभी गुरुजनों के रूप में ही नहीं, बल्कि सभी गौर के एक छोटे से स्कूल में पढ़ने वाले उस विद्यार्थी के रूप में भी आगे सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञान बढ़ाते हैं, जिन्होंने अपने शिक्षकों से मिले संस्कार और सीख को जीवन की चुनौती बना दिया है।

समय बदल गया है। स्कूल बदल रहे हैं। पढ़ाई और सीखने के साधन बदल रहे हैं। आने वाले समय में तकनीक इन्हीं और भी बदलनी। लेकिन एक और विषय के साथ विज्ञान, कृषि और संस्कार का जो संबंध हमारे भारतीय परंपरा की अनाम है, उसका बचाव करना हमें बतल होता।

आप, हम सब किसान ऐसा प्रोत्साहन देते, जहाँ हर स्कूल सगरी का हारा बने, हर कक्षा सोनापारी का सारा बने और हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के ज्ञान के अनाम का दीप जलाए।

आपसे आज से हमारे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो, आपके संसाधनों से समाज समृद्ध हो और आपके मातृदर्शन से कृतीगढ़ की नई पीढ़ी आत्मीयधन के साथ विवेकित भारत के भविष्य में अपनी भूमिका निभाए - यही मेरी कामना है।

शिक्षक दिवस पर आप सभी गुरुजनों को साहब बाना।

आपका और आपके परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

यश जोहार

आपका आधुनिक

शिक्षक दिवस

मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



प्रमुख समाचार

जीएसएलवी-एफ17 की सफल उड़ान पर गदगद हुए मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो के जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर खुशी जाहिर की है। पीएम मोदी ने इसे देश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि इसरो और भारतीय इंटरप्री के बीच बढ़ती साझेदारी हमारे स्पेस प्रोग्राम को नई ताकत और विस्तार दे रही है, साथ ही पूरे स्पेस इकोसिस्टम में भारत की क्षमताओं को बढ़ा रही है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लिखा, भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट डीओएस-05 को जियोसिंक्रोनास ऑर्बिट में ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च, भारत के स्पेस सेक्टर की बेहतरीन काबिलियत, इनोवेशन और बढ़ती क्षमताओं को दिखाता है। मालूम हो कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार तड़के भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान के जरिये 2,300 किलोग्राम से अधिक वजन की उपग्रह को सटीक कक्षा में स्थापित कर एक बार फिर इतिहास रचा। यह प्रक्षेपण 2026 में अंतरिक्ष एजेंसी की पहली सफलता है।

जन्माष्टमी पर कृष्णभक्ति में डूबे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। आप सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बहुत बहुत बधाई! श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां सबसे पहले गो पूजन करने के बाद उन्होंने मुख्य मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन व विशेष पूजन अर्चना किया। राधे, राधे और जयश्री कृष्णा के जयघोष के बीच मुख्यमंत्री ने पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना की। मंदिर में सुबह से ही भक्तों के भारी जमावड़े के बीच सुरक्षा के विशेष प्रबंध किये गये हैं। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर जन्माष्टमी पर मथुरा आते हैं और श्री राधा-कृष्ण जी का पूजन करते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दौरे के दौरान ब्रज क्षेत्र को विकास की नई सींगत देे। मुख्यमंत्री गुरुवार 3 सितंबर को दो दिवसीय प्रवास पर मथुरा आये थे। इस दौरान उन्होंने ब्रजवासियों को करीब 1051 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं का बड़ा उपहार दिया।

कंथापुरम के बयान पर विहिप का कांग्रेस पर हमला

नईदिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने वरिष्ठ इस्लामी विद्वान कंथापुरम ए. पी. अबूबकर मुसलियायार की टिप्पणी पर संज्ञान लेने और उनके टिप्पणी की शुक्रवार को आलोचना करते हुए इसे “असंवैधानिक” और “निंदनीय” करार दिया तथा विपक्षी नेताओं और मुस्लिम संगठनों से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने संबद्ध संगठन से कांग्रेस नीत केरलम सरकार और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) से भी मुसलियायार की टिप्पणी पर संज्ञान लेने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत अन्य “धर्मनिरपेक्ष” नेताओं और मुस्लिम राजनीतिक दलों में इन इस्लामी विद्वान के खिलाफ बोलने का साहस नहीं है।

भाजपा यूपी विधानसभा चुनावों में और बड़ी जीत हासिल करेगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ज़मीनी स्तर पर अपने संगठन को मजबूत कर रही है और 2022 की तुलना में और बड़ी जीत हासिल करेगी। चौधरी ने कहा कि पार्टी अभी अपने बुध-स्तर के संगठन की जांच-पड़ताल (वेरिफिकेशन) कर रही है और आगामी चुनावी लड़ाई के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हम अपने बुध-स्तर के संगठन की जांच कर रहे हैं। हम ज़मीनी स्तर तक तैयार हैं। मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हम 2022 की तुलना में 2027 में और भी बड़ी जीत हासिल करेंगे। उनके ये बयान गुरुवार को उत्तर प्रदेश में भाजपा के सभी छह क्षेत्रों की वर्किंग कमेटियों के सदस्यों के नामों की घोषणा के बाद आए। अवध क्षेत्र की नई क्षेत्रीय वर्किंग कमेट्री में 34 सदस्यों को शामिल किया गया। कानपुर-बुंदेलखंड, ब्रज, पश्चिम, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों की वर्किंग कमेटियों की भी घोषणा की गई।

दिल्ली पुलिस के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। कॉंकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के समर्थक शुक्रवार को संसद मार्ग थाने के बाहर एकत्र हुए और उन्होंने स्वयंभू हिंदुत्व ‘इन्फ्लुएंसर’ स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में भारद्वाज ने एक छात्र प्रदर्शनकारी के पिता के साथ मारपीट करने का दावा किया था। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि भारद्वाज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई। प्रदर्शनकारियों में कॉजपा के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका के अलावा आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद भी शामिल थे। यह प्रदर्शन भारद्वाज के एक साक्षात्कार के व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद किया गया। इस साक्षात्कार के दौरान भारद्वाज ने दावा किया था कि उसने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए कॉजपा के प्रदर्शन में शामिल निशु आजाद के पिता संजय कुमार के साथ मारपीट की थी। रांका ने आरोप लगाया कि पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उसकी एक समर्थक के पिता संजय के साथ मारपीट की गई।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत

नीरज कुमार दुबे

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रूढ़िमैप तैयार कर दिया है। इतिहास बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा

और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में

राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वाँ वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है।

लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके



तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी

वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है।

बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत

हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-मालला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संरूप संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम

आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाईक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

स्वस्थ नागरिक, समृद्ध छत्तीसगढ़

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

राज्य सरकार की दूरदृष्टि, अपार वन संपदा और आयुर्वेदिक पारंपरिक ज्ञान के बल पर छत्तीसगढ़ हर्बल प्रसंस्करण इकाइयों का नया हब बन रहा है। 27.87 एकड़ में अत्याधुनिक हर्बल सेंटर, रोजगार सृजन और किसानों की आय वृद्धि के साथ राज्य को नई आर्थिक पहचान मिल रही है।

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। राज्य सरकार आयुर्वेद, हर्बल और वेलनेस सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीतियों, अत्याधुनिक अवसंरचना और निरंतर निवेश के माध्यम से एक सतत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। राज्य की अपार वन संपदा, पारंपरिक ज्ञान और किसानों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर लेकर आया है।



प्रसंस्करण इकाइयों की प्रभावी विशेषताएं

- 27.87 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक हर्बल प्रसंस्करण इकाई।
- 36.47 एकोड़ रुपये की लागत से निर्माण।
- यूएसएफडीए (USFDA) मानक तकनीक से युक्त।
- रोजाना 400 से अधिक प्रकार की जड़ी-बूटियों की प्रोसेसिंग क्षमता।
- हर्बल चाय, कैप्सूल, पाउडर, एक्सट्रेक्ट, तेल और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों का निर्माण।

जड़ी-बूटियों की अपार वन संपदा

छत्तीसगढ़ की विविध जलवायु, समृद्ध वन क्षेत्र और अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियाँ इसे औषधीय पौधों की दृष्टि से देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाती हैं। राज्य के जंगलों और ग्रामीण क्षेत्रों में अशोक, शतावरी, कालमेघ, गिलोय, सफेद मुसली, हरी, बहेड़ा, आंवला तथा अन्य अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं।

- ये जड़ी-बूटियाँ केवल आयुर्वेद और पारंपरिक उपचार पद्धतियों में ही उपयोगी नहीं हैं, बल्कि हर्बल उद्योग, औषधि निर्माण और स्वास्थ्य उत्पादों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन हैं।
- राज्य सरकार जड़ी-बूटियों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ वनवासियों समुदायों को आय के नए अवसर उपलब्ध करा रही है।

सरकार की नीतियों और समर्थन

- हर्बल उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीति और वित्तीय प्रोत्साहन।
- किसानों को जड़ी-बूटी की खेती के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और बीज उपलब्धता।
- किसान उत्पादक संगठनों (FPOS) और स्व सहायता समूहों को हर्बल वैल्यू चेन से जोड़ना।
- अनुसंधान एवं विकास के लिए संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग।
- जड़ी-बूटियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष अभियान।

रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति



यह इकाई सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 2,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगी।



स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।



हर्बल उद्योगों से जुड़े स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा।



युवाओं के लिए कौशल विकास और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के नए अवसर उपलब्ध होंगे।



आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

- छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और वेलनेस टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं।
- योग, पंचकर्म, आयुर्वेदिक चिकित्सा और हर्बल थेरेपी के क्षेत्र में राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना।
- स्थानीय हर्बल उत्पादों को वेलनेस रिसॉर्ट्स, आयुर्वेदिक केंद्रों और पर्यटन स्थलों से जोड़ना।
- आयुर्वेदिक शिक्षा, शोध और इनोवेशन के माध्यम से वैश्विक बाजार में पहचान बनाना।

लोक विकास से लोक वैज्ञानिक क्रांति तक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ लोक विकास की दिशा में अग्रसर है। हर्बल और आयुर्वेदिक क्षेत्र में यह पहल राज्य को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



गुणवत्ता और नवाचार पर विशेष ध्यान

छत्तीसगढ़ में हर्बल एवं आयुर्वेदिक क्षेत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक से सुसज्जित प्रयोगशालाओं और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों में जड़ी-बूटियों की गुणवत्ता, शुद्धता, औषधीय गुणों तथा उत्पादों की प्रभावशीलता की वैज्ञानिक जांच की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सकें।



छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा और पारंपरिक ज्ञान आज जड़ी-बूटियों के माध्यम से नई पहचान प्राप्त कर रहा है। राज्य के वन क्षेत्रों में उपलब्ध औषधीय पौधे न केवल स्वास्थ्य संवर्धन का आधार बन रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रहे हैं। जड़ी-बूटियों के संरक्षण, वैज्ञानिक उपयोग और प्रसंस्करण के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक संपदा को आर्थिक शक्ति में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे किसानों, वनवासियों और महिला स्व-सहायता समूहों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।



अशोक

महिलाओं के स्वास्थ्य और हार्मोन संतुलन में सहायक।



शतावरी

शक्ति व स्टेमिना बढ़ाने, हार्मोनल बैलेंस के लिए लाभकारी।



कालमेघ

लिवर की सेहत, प्रतिरक्षा बढ़ाने और बुखार में उपयोगी।



गिलोय

इम्युनिटी बढ़ाने, डायबिटीज और बुखार में लाभकारी।



जंगली हल्दी

त्वचा की देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन और आयुर्वेदिक उपचारों के लिए गुणकारी।



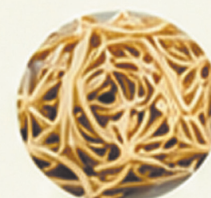
बहेड़ा

गले के रोग, खाँसी और पाचन विकारों में लाभकारी।



आंवला

विटामिन सी से भरपूर, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला।



सफेद मुसली

ऊर्जा, शक्ति और शारीरिक कमजोरी दूर करने में सहायक।

छत्तीसगढ़ की ये जड़ी-बूटियाँ स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि का भी आधार बनेंगी।

संवाद-48873/1

पर्यावरण संरक्षण को बल



जड़ी-बूटियों की खेती और संरक्षण से वनों का संरक्षण होगा और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहेगा।

वैश्विक बाजार में पहचान



हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग से छत्तीसगढ़ के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बनाएंगे।

स्वस्थ समाज, समृद्ध राज्य



आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के प्रचार-प्रसार से समाज स्वस्थ होगा और राज्य की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी।

किसानों की समृद्धि



जड़ी-बूटी की खेती से किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

भविष्य की दिशा



छत्तीसगढ़ को हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का वैश्विक हब बनाना हमारा संकल्प है।

छत्तीसगढ़ - हर्बल हब, आयुर्वेद की नई पहचान

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर महापौर को गाली देने वाले युवक पर मामला दर्ज

रायपुर। रायपुर की महापौर मीनल चौबे को



सोशल मीडिया पर गाली देने वाले युवक के खिलाफ सिविल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक की पहचान और वीडियो के संबंध में जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि जलभराव और सड़क निर्माण के मुद्दे को लेकर बनाए गए एक वीडियो में युवक ने महापौर के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा पार्षद दल ने इसका विरोध करते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी। बताया जा रहा है कि रायपुर में बारिश के बाद जलभराव और सड़क से जुड़े मुद्दों को लेकर युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो बनाया था। इसी वीडियो में महापौर मीनल चौबे के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणी किए जाने का आरोप है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला निगम की राजनीति से निकलकर थाने तक पहुंच गया। भाजपा पार्षद दल ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। पार्षद सिविल लाइन थाने पहुंचे और पुलिस से वीडियो बनाने और पोस्ट करने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अब इसी शिकायत के आधार पर सिविल लाइन पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर वीडियो की जांच के साथ आरोपी युवक की पहचान करने में जुट गई है।

वन विभाग में 10 वर्ष से अधिक पदस्थ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मों होंगे नियमित

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में 7000 दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिकता निधि के कार्यभारित कर्मियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिनमें इनमें से 10 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत 966 तृतीय श्रेणी और 2,664 चतुर्थ श्रेणी के पदों पर 3630 कर्मियों का नियमितीकरण किया जाएगा, वहीं 10 वर्ष से कम वालों का स्थाईकरण किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएंडी) की सहमति मिलने के बाद सेवा शर्तों और भर्ती नियमों का प्रारूप तैयार करने के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति को 15 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इसके बाद शासन स्तर पर नियमों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वन विभाग ने 1-1-98 के बाद से कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले कर्मचारियों के लिए भर्ती तथा सेवा शर्तें नियम, 2024 लागू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। अधिसूचना प्रारूप तैयार करने के लिए जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अमिताभ बाजपेयी की अध्यक्षता में समिति बनाई गई है। मुख्य वन संरक्षक, रायपुर वृत्त मणिवासगन एस. और वनमंडलाधिकारी, गरियाबंद मयंक पाण्डेय को सदस्य उप वन संरक्षक रौनक गोयल समिति के सदस्य सचिव बनाए गए हैं।

टाटा मैजिक में मिली युवक की लाश पुलिस को देखकर फरार हुए आरोपी

धरसीवा। राजधानी रायपुर की धरसीवां पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक ऐसे टाटा मैजिक वाहन को पकड़ा है, जिसमें व्यक्ति की हत्या कर शव को ठीकाने लगाने के लिए ले जाया जा रहा था। शव के साथ वाहन को छोड़कर आरोपी फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात धरसीवा पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी ग्रामीण अंचलों के सुनसाइन रास्तों से पेट्रोलिंग करते हुए कुंवरगढ़ से परसवराई की ओर नहर मार्ग से जा रही थी। इसी दौरान सामने से आती हुई एक टाटा मैजिक सवारी गाड़ी दिखाई दी, जिसके पीछे दो बाइक भी आ रही थी। हैरानी की बात ये है कि वे पुलिस की गाड़ी को दूर से देखकर भागने लगे और जब पुलिस ने उनका पीछा किया, तो वाहन छोड़कर फरार हो गए। वही जब पुलिस मैजिक वाहन के पास पहुंची, तो उसमें अज्ञात व्यक्ति की लाश देखकर होश उड़ गए। इसके बाद तत्काल पेट्रोलिंग पार्टी ने इसकी सूचना एसपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव दिक्षा और थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान को दी। इसी के साथ ही वाहन को थाने लाकर शव को चीयर में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्यारों की पतासाजी के साथ अज्ञात मृतक की शिनाख्ती के भी प्रयास में लगी है और जल्द ही इसका पूरा खुलासा कर सकती है।

छत्तीसगढ़ की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 के लिए सारांगढ़-बिलासगढ़ जिले की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव का चयन हुआ है। वे प्रदेश से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुनित एकमात्र शिक्षिका हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल और चेक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। बरमकेला विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय विचिरी में पदस्थ श्रीमती सुनीता यादव ने शिक्षा को नवाचार, साहित्य और तकनीक से जोड़कर बच्चों के सीखने को सरल और रोचक बनाया है। वे कक्षा के अंतिम पायदान पर रहने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करती हैं। बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के लिए वे अपने खर्च से नियमित दूध उपलब्ध कराने के साथ न्योता भोजन के लिए भी प्रेरित करती हैं। श्रीमती सुनीता दीक्षा एप, स्टोरीवीवर, ऑडियो बुक, पॉडकास्ट और लघु फिल्मों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाती हैं।

राजधानी/छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ से अलग बस्तर राज्य की मांग करने वाले विकास विरोधी : मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ से अलग बस्तर राज्य बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में नक्सलवाद के ख़ात्मे का असंभव काम संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने बस्तर को अलग राज्य बनाने की मांग करने वालों को विकास विरोधी बताया। इसके अलावा उन्होंने अपने दिल्ली दौरे समेत अन्य मुद्दों पर बयान दिया।

दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने दो दिवसीय दिल्ली दौरे के बाद आज राजधानी रायपुर लौटे। इस दौरान उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय की बैठक में हिस्सा लिया और केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की। जन्माष्टमी के अवसर पर रायपुर एयरपोर्ट पर



मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने बाजे-गाजे और गुलदस्ते के साथ उनका स्वागत किया।

वहीं पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री साय ने जल शक्ति मंत्रालय की बैठक को लेकर कहा कि ‘जल संचय जन भागीदारी अभियान’ में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सर्व यादव समाज की भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए मंत्री लखन लाल देवांगन

रायपुर। डॉ. भीमराव ओपन थिएटर खेल मैदान, घटाघर कोरबा में सर्व यादव समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के यावन अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा एवं रैली में मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर समस्त यादव समाज को जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि यादव समाज का स्नेह और आशीर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता रहा है। भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद का ही फल है कि आज नगर एवं जिले में तेज गति से विकास कार्य किए जा रहे हैं। समाज की मांग के अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करना हमारा संकल्प है।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि यादव समाज की मांगों को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें बालको शांति नगर स्थित राधाकृष्ण मंदिर के पास भवन के ऊपरी तल का निर्माण, जमनीपाली में सामुदायिक भवन निर्माण, शारदा विहार अमरैय्यापार राधाकृष्ण मंदिर



के ऊपरी तल का निर्माण विस्तार कार्य 10-10 लाख रुपये का पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार वैशाली नगर मिनी स्टेडियम के पास मंच निर्माण एवं कक्ष निर्माण 10 लाख रुपये प्रगतिरत है । लाटा मेन रोड में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की स्वीकृति मानिकपुर यादव मोहल्ले में भवन निर्माण के लिए – ‘15 लाख रुपये’ की स्वीकृति शीघ्र की जाएगी । इस अवसर पर कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने जन्माष्टमी की बधाई देते हुए भगवान को समर्पित भजन भी सुनाया। कार्यक्रम में सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश यदु, संरक्षक श्री कमलेश यादव, प्रदेश महामंत्री श्री संतोष यादव, पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, महिला प्रकोष्ठ की संरक्षक श्रीमती हारबाई यादव, श्री प्रफुल्ल तिवारी, शोभायात्रा के संयोजक श्री रंजू यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश का स्वागत

अधिवक्ताओं को संगठन से जोड़ना हमारी प्राथमिकता: चंद्रवंशी

रायपुर। भाजपा विधि प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी श्री जयप्रकाश चंद्रवंशी जी को आज अधिवक्ता चेंबर, रायपुर में भाजपा विधि प्रकोष्ठ, रायपुर पहर जिला के संयोजक नन्द कुमार साहू जी के नेतृत्व में स्थानीय विधि प्रकोश्ट के पदाधिकारी व अधिवक्ताओं ने आत्मीय स्वागत किया। साथ ही श्री चन्द्रवंशी जी को प्रदेश प्रभारी भाजपा विधि प्रकोश्ट छत्तीसगढ़ के महती जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस गरिमामय मौके पर प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश चंद्रवंशी जी ने कहा कि भाजपा विधि प्रकोष्ठ को प्रदेशभर में और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए अधिवक्ताओं को संगठन से जोड़ना हमारी प्राथमिकता होगी। कानून विशेशज्ञ रूपी अधिवक्ता संगठन से जुड़कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे प्रान्त में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं जिससे सरकारी योजना का लाभ सही व्यक्ति न सिर्फ मिल पायेगा बल्कि समुचित विकास हो सकेगा। इस तरह भाजपा अपने



जनकल्याण ध्येय को प्राप्त कर सर्वकल्याण उद्देश्य की ओर आगे बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि अधिवक्ता साथियों के सहयोग से विधि प्रकोष्ठ को संगठन की रीति-नीति एवं जनसेवा के कार्यों में और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

स्वागत कर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री बृजेश नाथ पाण्डेय जी ने कहा कि भाजपा विधि प्रकोष्ठ विशेशज्ञ रूपी अधिवक्ता संगठन से जुड़कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे प्रान्त में चल रही मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण मंच है। प्रदेश प्रभारी के रूप में श्री जयप्रकाश चंद्रवंशी जी की नियुक्ति से विधि प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा, नई दिशा और नया विस्तार मिलेगा। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रत्येक जिले में

मॉनिटरिंग और जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण प्रभावी होगा। अलग बस्तर राज्य की मांग के सवाल पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में नक्सलवाद के ख़ात्मे का असंभव काम संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि नक्सली बस्तर में सड़क, स्कूल और विकास कार्य नहीं होने देना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सली बस्तर में सड़क, स्कूल और विकास कार्य नहीं होने देना चाहते थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सली बस्तर में सड़क, स्कूल और विकास कार्य नहीं होने देना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सली बस्तर में सड़क, स्कूल और विकास कार्य नहीं होने देना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सली बस्तर में सड़क, स्कूल और विकास कार्य नहीं होने देना चाहते थे।

विकास परियोजनाओं का वित्त मंत्री चौधरी ने किया निरीक्षण आधुनिक अधोसंरचना परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश

रायपुर। रायगढ़ को आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने शुक्रवार को शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण किया। उन्होंने ऑक्सीजन, पुल, केलो रिवर फ्रंट, मरीन ड्राइव, नालंदा परिसर, खेल एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं का जायजा लेते हुए गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दूध डेयरी ऑक्सीजोन से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने गोवर्धनपुर में केलो नदी पर निर्माणाधीन पुल, खरौघाट स्थित केलो रिवर फ्रंट, नालंदा परिसर, एसईसीएल रोड मरीन ड्राइव, कयाघाट पुल, मिनी स्टेडियम स्थित स्केटिंग रिंग, कोहाकुड़ा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेडियम और एफसीआई ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, इंजीनियर और निर्माण एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर की अधोसंरचना को मजबूत कर लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की गहन निगरानी की जा रही है, ताकि विकास कार्य तेजी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे हों।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि औद्योगिक विकास के अनुरूप रायगढ़ में जिस स्तर की अधोसंरचना विकसित होनी चाहिए थी, वह लंबे समय तक अपेक्षित गति से नहीं बन पाई।

जल संरक्षण में सूरजपुर का ऐतिहासिक प्रदर्शन देश में चौथा और छत्तीसगढ़ में मिला पहला स्थान

रायपुर। जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता की अमिट छाप छोड़ी है। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित ‘जल संचय जन भागीदारी’ अभियान के तीसरे चरण के तहत सूरजपुर ने देश भर में चौथा स्थान और राज्य में पहला स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

नई दिल्ली स्थित सुपमा स्वराज भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित जल शक्ति मंत्रालय के शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर मॉडल की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में जल संरक्षण को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रखकर इसे किसान, ग्राम पंचायत, जल सखी और जल मित्र के सहयोग से एक जनांदोलन का रूप दिया गया है। निर्मित संरचनाएं 5,429

पीएम किसान सम्मान निधि की बचत से खरीदी पहली गाय

■आज 10 गावों के साथ आत्मनिर्भर बने परशुराम

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक संबल के साथ नई आजीविका की राह भी खोल रही है। रायगढ़ जिले के ग्राम महापल्ली निवासी 75 वर्षीय किसान श्री परशुराम गुप्ता ने योजना से मिली राशि की बचत कर गौ-पालन शुरू किया और आज वे सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय संचालित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रहे हैं। वर्ष 2020 में श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दो-दो हजार रुपये की किस्तों को बचाकर करीब 10 हजार रुपये की पूंजी जुटाई। इसी राशि से उन्होंने पहली गाय खरीदी और गौ-पालन की

शुरुआत की। मेहनत और अनुभव के साथ उन्होंने धीरे-धीरे अपने पशुधन में वृद्धि की। आज उनके पास 10 गायें हैं और वे प्रतिदिन करीब 100 लीटर दूध का उत्पादन कर स्थानीय डेयरी में 40 रुपये प्रति लीटर की दर से विक्रय करते हैं। इससे उनका मासिक कारोबार लगभग 1.20 लाख रुपये तक पहुंच रहा है। परशुराम गुप्ता बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें पशुपालन का शौक रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिली राशि ने उन्हें इस रुचि को आजीविका के साधन में बदलने के लिए शुरुआती पूंजी उपलब्ध कराई। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं से मिलने वाली छोटी-छोटी आर्थिक सहायता का सही उपयोग किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।



समाधान के लिए सुनियोजित तरीके से बड़े अधोसंरचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने रिंग रोड को रायगढ़ के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। घरघोड़ा रोड से झारसुगुड़ा रोड को जोड़ने के लिए प्रथम चरण में कार्य किया जा रहा है, जिस पर 400 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने की संभावना है। भविष्य में रायगढ़ से घरघोड़ा तक सड़क को फोरलेन करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। आने वाले एक-दो वर्षों में रायगढ़ के विकास की तस्वीर जमीन पर स्पष्ट दिखाई देगी। हमारा प्रयास है कि शहर को बेहतर सड़क, पुल, हरित क्षेत्र, आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं और मजबूत अधोसंरचना मिले, जिससे नागरिकों के जीवन में व्यापक बदलाव आए। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, आयुक्त नगर निगम श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी, इंजीनियर तथा संबंधित निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



(अमृत सरोवर, तालाब गहरीकरण, फार्म पॉन्ड, रिचार्ज पिट, कंटूर ट्रेंच और गेबियन चेक डैम) निर्मित की गई। इनकी जल भराव क्षमता 94.89 लाख घन मीटर है। इससे सिंचित रकबे में बढ़ोतरी 5,608.26 हेक्टेयर की हुई। सभी जल संरचनाओं की जियो-टैगिंग और नियमित समीक्षा की जा रही है।

कलेक्टर सूरजपुर श्रीमती रेना जमील ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जल संरक्षण प्रत्येक नागरिक की

सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले के ग्रामीणों और किसानों ने अपनी भूमि उपलब्ध कराकर और श्रमदान देकर इस अभियान को सफल बनाया है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि प्रधानमंत्री के कैच द रेन – जहां जल गिरे, वहीं सहेजें के संदेश को धरातल पर उतारते हुए पंचायत स्तर पर जल सुरक्षा और सिंचाई सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण आजीविका में प्रत्यक्ष सुधार आ रहा है।

अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय जांजगीर चांपा।

डॉ0 कुलदीप सांग्र प्राध्यापक दंतरोग को प्रभारी अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा से प्राध्यापक, दंत रोग विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग।

डॉ0 अमित अग्रवाल प्राध्यापक जर्नल सर्जरी विभाग को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग। डॉ0 जयपाल चंद्रवंशी प्राध्यापक महाविद्यालय दुर्ग।

डॉ0 अरुणेश सिंह प्राध्यापक अस्थिरोग विभाग से प्रभारी अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ को प्राध्यापक अस्थिरोग विभाग, चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर।

डॉ0 अरुणेश सिंह प्राध्यापक अस्थिरोग विभाग से प्रभारी अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ को प्राध्यापक अस्थिरोग विभाग, चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर। डॉ0 ओंकार कश्यप प्राध्यापक बायोकेमेट्री विभाग को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय जांजगीर चांपा को प्रभारी



महाविद्यालय, कुनकुरी जशपुर छ.ग. से शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर, छ.ग.।

डॉ0 रविकांत दास प्राध्यापक, अस्थि रोग विभाग को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से प्रभारी अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा

डॉ0 अविनाश मेश्राम संचालक सह प्राध्यापक, पैथोलॉजी विभाग को प्रभारी अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय

भी दिए गए हैं। विभाग का यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

इन 14 डॉक्टरों की बदली जिम्मेदारी

डॉ प्रतिभा जैन शाह प्राध्यापक, निश्चेतना विभाग को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से प्रभारी अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कबीरधाम।

डॉ अजय कोसाम प्राध्यापक, शिशुरोग विभाग को प्रभारी अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कबीरधाम से प्राध्यापक, शिशुरोग विभाग, चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव।

डॉ0 गोपाल सिंह कंवर प्राध्यापक मेडिसीन विभाग को प्रभारी अस्पताल अधीक्षक, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय कोरबा से प्रभारी अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय जशपुर।

डॉ. एस.पी. कुजूर प्राध्यापक सर्जरी विभाग को अधिष्ठाता, शासकीय चिकित्सा

केंद्र में भाजपा उत्थान का सफर

मोहन लाल

6 अप्रैल, 1980 को भारतीय जनता पार्टी का उदय हुआ। फिर धीरे-धीरे राष्ट्रीय राजनीति का रूप-स्वरूप भी बदलने लगा। फिर एक दिन ऐसा आया कि कांग्रेस के वर्चस्व को धराशायी करते हुए भाजपा के संस्थापक और प्रधान श्री अटल बिहारी वाजपेयी भारत के प्रधानमंत्री बन गए। पहली बार 13 दिन के लिए, दूसरी बार 13 महीनों के लिए और तीसरी बार पूरे पांच साल तक प्रधानमंत्री बने रहे। सन् 2004 में भाजपा ने अपनी गलतियों के कारण सत्ता गंवा दी। 2014 के आते-आते तो कांग्रेस पूर्णतया धराशायी ही हो गई। वर्तमान राजनीतिक परिवेश में ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी देश के परमानेंट प्रधानमंत्री हो गए। यह अकस्मात नहीं हुआ। इस राजनीतिक परिवर्तन में तीन नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वर्गीय भारत-रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, श्रद्धेय लालकृष्ण अडवानी, महान विचारक प्रोफ़ेसर मुरली मनोहर जोशी। अटल जी अमरत्व प्राप्त कर गए और अन्य दोनों अपनी आयु से मात खाकर, हाशिए पर धकेल दिए गए। यह भी सत्य है कि इनके पीछे था भाजपा के कार्यकर्ताओं का निःस्वार्थ समर्पण और भारत के लोगों का अथाह प्यार। भारत की जनता हैरान है कि राजनीति में जहां कोई किसी का मित्र नहीं होता, उस राजनीति में अटल जी और अडवानी जी ने 50 साल तक राजनीतिक मित्रता पूरे विश्वास से निभाई। दोनों राजनीति में एक-दूसरे के पूरक रहे। मैं अधिक नहीं केवल छ-घटनाक्रम जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी के विकास और सत्ता तक पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, का उल्लेख करता हूं। 11 मई और 13 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी का राजस्थान में जैसलमेर के पोखरण में ‘परमाणु विस्फोट’ करना। पोखरण विस्फोट स्वर्गीय राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जो विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे, की देख-रेख में हुआ। यह विस्फोट किसी भी देश को हानि पहुंचाने के लिए नहीं, अपितु भारत को सुदृढ़, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में एक कदम था। 1991-92 में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने ‘एकता यात्रा’ शुरू की। इस यात्रा का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में फैले आतंकवाद, अलगाववाद के विरुद्ध कश्मीर घाटी में राष्ट्रीय एकता बनाए रखने, आतंकवाद के विरुद्ध भारत की जनता को सजग करना और यह बताना था कि ‘कश्मीर घाटी’ से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी समुद्र तट से यह ‘एकता यात्रा’ 11 दिसम्बर 1991 को शुरू हुई। देश के लगभग 14 प्रांतों से यह गुजरी। 26 जनवरी, 1992 को ‘एकता यात्रा’ के मुखिया मुरली मनोहर जोशी, नरेंद्र मोदी तथा कई कार्यकर्ताओं ने श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहरा कर इसका समापन किया। भाजपा को इस यात्रा से काफी लाभ मिला। अडवानी जी ने 25 सितम्बर 1990 को गुजरात के सोमनाथ मंदिर से अयोध्या तक की रथयात्रा आरंभ की। इस ‘राम रथ यात्रा’ ने सारे देश को राममय बना दिया। गांव-गांव में राम के नाम पर ‘दीपक यात्राएं’ निकाली जाने लगीं। मंदिरों के पुजारियों ने इसे आस्था का प्रथ्र बना दिया। कई स्थानों पर साम्प्रदायिक दंगे भी हुए। सैंकड़ों बेगुनाह ‘राम रथ यात्रा’ के दौरान मारे गए। देश का धुरवीकरण हो गया। एक ओर बाबरी मस्जिद बचाने वालों का वर्ग और दूसरी तरफ ‘राम मंदिर’ बनाने वालों का जुनून। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने अडवानी की ‘रथ यात्रा’ को ‘समस्तीपुर’ में रोक कर अडवानी जी को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी ने भी वी.पी. सिंह की केंद्र सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। देश तब अराजकता की स्थिति में चला गया।

पुराण दिग्दर्शन

विश्व विद्या-निरुपणाध्यायः (दशम अध्याय)

(गतांक से आगे...)

वे इसके प्रताप से मनुष्य के जीवन की भूत भविष्यत् वर्तमान घटनाओं को बता कर संसार को आश्चर्यान्वित किये विना नहीं रहते। यदि इस विद्या का भी अनुसंधान करना हो तो पुराणों को टटोलिये! देखिये –

उत्रति: प्रथमे गर्भं द्वयोरकस्य भूयसी।

वामे तु जायते कन्या दक्षिणे तु भवेत्सुत:॥

(भविष्य पु0 अ0 5 श्लो0 43)

अर्थात्– जिस समय माता के पेट में प्रथम गर्भ हो उस दशा में यदि स्तन में ऊँचा नीचापन दिखाई दे तो बांये स्तन के उच्च होने पर कन्या तथा दक्षिण स्तन के उच्च होने पर पुत्र की उत्पति समझती चाहिए।

गृह-शिक्षा

इस समय कन्याओं की शिक्षा के सम्बन्ध में जितने मुंह उतनी बात हो रही है। एक ओर सभ्य

सुशिक्षित समुदाय अपनी ही तरह उन्हें बी0ए0 और एम0ए0 की डिग्री पाये हुये बराबर वकालत करते हुवे देखना चाहता है। दूसरी ओर समाज की श्रृंखला को ढीली होती देख कुछ सज्जन इस शिक्षा का घोर विरोध करने पर उतारू हैं। तीसरी ओर एक वह समुदाय है जो कि आजकल की शिक्षा के विषयमय परिणाम उत्कृष्टतुलता दुराचारिता आदि को देख कर इस शिक्षा का धोर विरोध करता हुवा भी किसी हद्द तक शिक्षा का समर्थक अवश्य है। इस समुदाय का असर भी जनता में काफी हो रहा है अतएव अधिक कन्याशालाओं में गृहकार्य की ओर कुछ ध्यान दिलाना आवश्यक समझा जाता है।

यद्यपि शिक्षा की अपूर्णता के कारण या उन सम्पूर्ण विषयों, जिनका कि गृहपत्नी से सम्बन्ध रहता है– के अत्यन्त विस्तृत होने के कारण एक उपयुक्त शिक्षा-क्रम नहीं बन सकता।

क्रमशः...



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, ‘शिक्षक दिवस’ के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन ‘शिक्षक दिवस’ के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संताना की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समाप्ता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में ‘आचार्यदेवो भव’ का संदेश दिया गया है। सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और खेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि खेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

ज्ञान/मीमांसा

शिक्षक गढ़ते कल का भारत



श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक ‘मालविकाग्निमित्रम्’ में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है। एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है- ‘सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्’। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी।

शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइंगरपुर

में स्थित ‘श्री ओरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल’ में बच्चों को पढ़ाया है।छ विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव- जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं।

लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन



सदस्य बनाया गया था। जब भारत को स्वतंत्रता मिली उस समय जवाहरलाल नेहरू ने राधाकृष्णन से यह आग्रह किया कि वह विशिष्ट राजदूत के रूप में सोवियत संघ के साथ राजनयिक कार्यों की संपन्न करें। 1952 तक वह राजनयिक रहे। इसके बाद उन्हें उपराष्ट्रपति के पद पर नियुक्त किया गया। संसद के सभी सदस्यों ने उन्हें उनके कार्य व्यवहार के लिए काफ़ी सराहा। 1962 में राजेन्द्र प्रसाद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति का पद संभाला। राजेंद्र प्रसाद की तुलना में इनका कार्यकाल काफी चुनौतियों भरा था। क्योंकि जहां एक ओर भारत के चीन और पाकिस्तान के साथ युद्ध हुए जिसमें चीन के साथ भारत को हार का सामना करना

निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है। शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए ‘रोल मॉडल’ बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है। माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्तित्व बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं। हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तितगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा ‘राष्ट्र सर्वोपरि’ की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)

ट्रंप की ईरान दुविधा: न आगे बढ़ने की राह, न ही पीछे हटने का रास्ता

विक्ते मिश्रा

इराक युद्ध के बाद से पश्चिम एशिया में सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी हस्तक्षेप के छह महीने बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को अपने ही बनाए दलदल में फंसा हुआ पा रहे हैं।

फरवरी 2026 में ईरान के खिलाफ युद्ध, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए और उनकी जगह उनके बेटे मोजतबा को बिठाया गया, उसका मकसद तेहरान की काबिलियत को तोड़ना और इलाके के सिस्टम को वाशिंगटन के हक में बदलना था। इसके बजाय, इसने ईरान का एक ऐसा रूप पेश किया है जो भौतिक रूप से भले ही पहले से कमजोर है, लेकिन राजनीतिक रूप से युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में अधिक एकजुट है।

तेहरान से आने वाले संघ्रांत वर्ग की एकजुटता के नए भले ही पूरी जीत की मांग करने वाले कट्टरपंथियों और युद्धविराम को बनाए रखने की कोशिश करने वाले नरमपंथियों के बीच की वास्तविक गुटীয় लड़ाइयों के छिपाते हों, लेकिन आम ईरानियों के बीच युद्ध के समापन की ऐसी भावना है जो ईरान-इराक युद्ध के वर्षों के चुनौतीपूर्ण राष्ट्रवाद की याद दिलाती है। ईरानी भावनाएं देश के झंडे के नीचे एकजुट होने के प्रभाव से बंधी हुई हैं, जिसने पुर्कसान और बदले की उस भावना को और बढ़ावा दिया है, तथा शायद और गहरा कर दिया है, जो आपस में गुंथी हुई हैं। राजनीतिक लक्ष्य से इतर, होर्मुज जलडमरूमध्य में रणनीतिक चाल ट्रंप के लिए एक नई चुनौती के रूप में सामने आ रही है। अमेरिका द्वारा ईरान को तेल निर्यात करने से रोकने के लिए जारी नाकाबंदी के बावजूद, यह स्थिति अब तेजी से धैर्य और मानसिक मजबूती की परीक्षा साबित हो रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पार, ट्रंप के अधूरे पूरे उद्देश्य ईरान में सुलगती बदले की भावना के साथ खड़े नजर आते हैं।

फरवरी में युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान द्वारा की गई जवाबी नाकाबंदी ने सामान्य यातायात के लिए इस जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर



दिया है। ट्रंप के तौर-तरीकों ने ईरान को दबाव बनाने का एक बिल्कुल नया जरिया थमा दिया है- एक ऐसी जवाबी नाकाबंदी जिसके तहत जहाजों को गुजरने के लिए ईरान से अनुमति लेनी पड़ती है, जिससे मस्कट और तेहरान एक अस्थायी वैकल्पिक शिपिंग मार्ग के रूप में संयुक्त रूप से प्रबंधित कॉरिडोर पर बातचीत करने के लिए मजबूर हो गए हैं।

वाशिंगटन का अपना प्रोजेक्ट फ्रीडम - जिसके तहत एक दक्षिणी मार्ग अपनाया जा रहा है, वह सबसे बेहतर स्थिति में भी सिर्फ एक कामचलाऊ व्यवस्था है, न कि कोई स्थायी समाधान। जहाजों और बोमा कंपनियों के लिए यह घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इसकी बड़ी कीमत रणनीतिक है न कि केवल तात्कालिक, विशेष रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक में नाकाबंदी के कूटनीति के एक हथियार के रूप में सामान्य बनाकर। अमेरिका ने चीन और अन्य प्रतिद्वंद्वियों को यह दिखा दिया है कि भविष्य के किसी संकट में, चाहे वह ताइवान को लेकर हो या कहीं और, रास्ता रोकना एक व्यावहारिक विकल्प है। ईरान ने, भले ही अनजाने में, एक ऐसा मॉडल दूसरों के हाथों में सौंप दिया है जिसका अध्ययन अन्य देश एक बहुत बड़ी महाशक्ति के खिलाफ असममित युद्ध के जरिए अपना प्रभाव बढ़ाने के तरीकों के लिए कर सकते हैं।

हालांकि, ट्रंप के लिए इससे भी बड़ी कीमत अपने देश के भीतर उस क्षेत्रीय ढांचे के बिखरने के

रूप में है, जिसे उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में बनाया था। अब्राहम समझौते ट्रंप 1।0 की सबसे बड़ी उपलब्धि थे, और वे अब बिखरते हुए दिखाई दे रहे हैं। सऊदी अरब के लिए, जिसका अब्राहम समझौते में शामिल होना तब संभव लग रहा था जब ट्रंप ने हाल ही में रियाद को एक नए नागरिक परमाणु समझौते से जोड़ा था, उसके लिए एक क्षेत्रीय समाधान के रूप में फिलिस्तीनी राज्य के गठन के विश्वसनीय रास्ते के बिना एक %लक्षमण रेखा% अभी भी बनी हुई है।

इस बीच, इस साल अक्टूबर में इजराइल में होने वाले आगामी चुनावों ने ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच के रिश्तों में एक तरह की दारप पैदा कर दी है। हाल ही में, नेतन्याहू ने ट्रंप की 15-सूत्रीय गाजा योजना को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि जब तक हमาส पूरी तरह से निशस्त्रीकृत नहीं हो जाता, तब तक इजराइली सेना पीछे नहीं हटेगी। यह अस्वीकृति ईरान के खिलाफ कार्रवाई, लेबनान में इजराइली हमलों और अप्रैल के युद्धविराम को लेकर यरूशलेम की अनिच्छुक स्वीकृति पर महीनों से चल रहे तनाव के बाद आई है। ट्रंप, अपनी ओर से इजराइल के लिए एक होते जा रहे लेकिन निरंतर समर्थन और अमेरिकी घरेलू गठबंधन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस गठबंधन में प्रगतिशील इजराइल-विरोधी भावना उन गिने-चुने मुद्दों में से एक बन गई है जो बिखरे हुए वामपंथियों को एकजुट करती है। प्रगतिशील डेमोक्रेट अब्दुल एल-सईद ने इजराइल को बिना शर्त सैन्य सहायता देने के विरोध में अभियान चलाकर अगस्त 2026 में मिशिगन का अमेरिकी सीनेट प्राइमरी चुनाव जीता। तेल अवीव और वाशिंगटन की घरेलू राजनीति इस तनाव को और बढ़ा रही है।

इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव होने जा रहे हैं, जिसमें नेतन्याहू का गठबंधन याशर पार्टी के नेता और पूर्व आईडिफए चीफ ऑफ स्टाफ गेदी ईसेनकोट के नेतृत्व वाले गठबंधन से पीछे चल रहा

है। इसके बाद नवंबर में अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं, और वहां रिपब्लिकन पार्टी के लिए भी सब कुछ ठीक नहीं दिख रहा है। महंगाई और सुरक्षा दोनों ही देशों के चुनावी अभियानों में मुख्य मुद्दे हैं, लेकिन अलग-अलग मतदाताओं और अलग-अलग कारणों से। ये मुद्दे वाशिंगटन और तेल अवीव को अलग-अलग अल्पकालिक फायदों की ओर खींच रहे हैं, भले ही उनके दीर्घकालिक हित आपस में जुड़े हुए हैं।

नतीजा चाहे जो भी हो, इस युद्ध के बाद का मध्य पूर्व वाशिंगटन और तेल अवीव के बीच एक ऐसा रिश्ता विरासत में पाएगा जो संरचनात्मक रूप से उस रिश्ते से बिल्कुल अलग दिखता है जो ट्रंप को जनवरी में मिला था। और इसके साथ ही मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) क्षेत्र में अमेरिका की भूमिका भी बदल जाएगी। इस सब के ऊपर खाड़ी देशों की अपनी सुरक्षात्मक रणनीतियां भी परत-दर-परत काम कर रही हैं।

सऊदी अरब ने सितंबर 2025 में पाकिस्तान के साथ जिस रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, उसे अब मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के रूप में और बड़ा कर दिया गया है। इसमें तीसरे स्तंभ के रूप में तुर्की को भी शामिल कर लिया गया है- जो पाकिस्तान की परमाणु क्षमता, तुर्की के रक्षा-औद्योगिक आधार और सऊदी अरब की वित्तीय ताकत को एक साथ जोड़ता है। इस आपसी रक्षा समझौते पर 7 अगस्त को हस्ताक्षर किए गए थे। फिलहाल इस समझौते का क्षेत्र से बाहर का कोई एजेंडा नहीं हो सकता है और, यह सबसे बेहतर स्थिति में भी अमेरिका द्वारा रियाद को उसकी पसंद का परमाणु सौदा देने में आनाकानी करने के खिलाफ एक संकेत जैसा दिखता है। क्षेत्रीय रूप से, पाकिस्तान और तुर्की को अरब क्षेत्र में अपने विस्तार से लाभ मिलता है और इसलिए वे फिलिस्तीनी भावनाओं को अधिक मजबूती से अपारते हैं। यह सब बिल्कुल उसी एजेंडे के उलट है जिस पर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में काम किया था।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत, निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, ‘शिक्षक दिवस’ के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं।

यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन ‘शिक्षक दिवस’ के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी सतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में

‘आचार्यदेवो भव’ का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और ख़ेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि खेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक ‘मालविकाग्निमित्रम्’ में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो



तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है-‘सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्’। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी।

शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है,

अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है।

शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइंगरपुर में स्थित ‘श्री ओरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल’ में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था।

स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति

भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातों मेरे ध्यान में बनी रहती हैं।

लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए ‘रोल मॉडल’ बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और

प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें होन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का ध्यान कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकास राह बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, पृथ्कगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा ‘राष्ट्र सर्वोपरि’ की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

ब्रिक्स के सामने साझा आम सहमति बनाने की बड़ी चुनौती

शोभना जैन

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे तनाव, युद्ध, विभिन्न देशों के बीच नई साझेदारियों, बढ़ती दूरियों के चुनौतीपूर्ण दौर में भारत आगामी 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में अठारहवें महत्वपूर्ण ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। सम्मेलन के लिए भारत सदस्य देशों के साथ गहन मंत्रणाएं कर रहा है, राजधानी दिल्ली को इस चर्चित शिखर बैठक के लिए सजाया-संवारा जा रहा है। दुनिया के मौजूदा विषम हालात में इस सम्मेलन की अहमियत इस बात से पता चलती है कि सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले देशों में अब ज्यादातर ऐसे सदस्य देश हैं जिनके राष्ट्रीय हित और मत भी अलग हैं।

ऐसे में मेजबान देश होने के नाते भारत के सम्मुख एक बड़ी चुनौती इन सभी देशों को बड़े संवेदनशील मुद्दों पर आपसी खींचतान का मंच बनने देने की बजाय लगभग सर्व सहमति की भावना के साथ व्यावहारिक आपसी सहयोग के लिए साथ लाना है। एक तरफ अमरेका नीत पश्चिमी लॉबी और दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान जैसे दो ध्म्वों पर खड़े देशों के बीच संतुलन बनाने के प्रयासों के साथ ही भारत के लिए स्वयं अपने राष्ट्रीय हितों को दृष्टिगत रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता, आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा संबंधी जरूरतों को रक्षा करने और उन्हें बनाए रखने की बड़ी चुनौती भी है।

शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेर्रेस के अलावा ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य देश रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेताओं के अलावा एक अन्य संस्थापक सदस्य देश चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आने की भी संभावना बनी हुई है। वे और पुतिन बड़े व्यापारिक शिष्टमंडल के साथ भारत आ सकते हैं। इसके अलावा इस संगठन



के विस्तारित सदस्य देश मिस्र, ईरान के राष्ट्रपति, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और इथियोपिया समेत अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्ष व वरिष्ठ नेता

भी इस शिखर बैठक में हिस्सा लेंगे। बिस्मटेक, आसियान, अफ्रीकी यूनियन तथा खाड़ी सहयोग परिषद जैसे क्षेत्रीय समूहों के प्रतिनिधि भी शिखर बैठक की विस्तारित बैठकों के लिए आमंत्रित किए गए हैं।

दरअसल धीरे-धीरे अब यह मंच अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के भविष्य की चर्चा में बहुत महत्वपूर्ण होता जा रहा है। 2012, 2016 और 2021 के बाद भारत की यह चौथी ब्रिक्स अध्यक्षता होगी। ब्रिक्स का विचार प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के एक मंच के रूप में आने के दो दशक बाद भारत के लिए मेजबानी का यह एक अवसर है तो साथ ही एक बड़ी चुनौती भी है। भारत का दृष्टिकोण एक संतुलित रणनीति पर आधारित रहा है: ब्रिक्स को पश्चिम विरोधी गुट बनाए बिना ‘ग्लोबल साउथ’ (विकासशील देशों) का आवाज मजबूत करना। इसकी अध्यक्षता की थीम ‘लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए सतत प्रयास’ इसी सोच को दर्शाती है। दरअसल बड़ी चुनौती यह है कि ब्रिक्स रणनीतिक रूप से एक समान सोच वाला समूह नहीं है। इसके सदस्यों का पश्चिम के प्रति नजरिया, उनके आर्थिक हित और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लेकर उनकी पसंद एक-दूसरे से काफी अलग है। भारत की ब्रिक्स कूटनीति की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन विरोधी हितों को कितनी समझदारी से अलग-अलग रख पाता है।

छात्र आंदोलन एफआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

किशन सनमुखदास भावनांनी

वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1 सितंबर 2026 का दिन छात्र आंदोलनों, नागरिक स्वतंत्रता और राज्य की जवाबदेही के बीच संतुलन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण न्यायिक पड़ाव के रूप में दर्ज किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने 20 से 25 जुलाई 2026 के बीच राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी एनईईटी में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लोक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों से संबंधित प्रथम सूचना रिपोर्टों पर बड़ा आदेश देते हुए कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इन प्रदर्शनों से संबंधित मामलों को आगे अभियोजन या जांच के लिए नहीं चलाया जाएगा और उन्हें सभी उद्देश्यों के लिए बंद माना जाएगा। हालांकि इस व्यापक राहत के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण अपवाद रखा गया है,गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 व्यक्तियों के संबंध में अलग कार्रवाई और उनकी व्यक्तिगत भूमिका की जांच का रास्ता खुला रहेगा। इसीलिए इस आदेश को केवल सभी एफआईआर रद्द कहना अधूरा होगा; इसका वास्तविक संदेश है,सामान्य छात्र प्रदर्शनकारियों के लिए व्यापक राहत, लेकिन गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के लिए अलग कानूनी परीक्षण। मैं यह बताना चाहूंगा कि 31अगस्त 2026 को सॉलिडिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में जंतर मंतर आंदोलन से संबंधित एफ आई आर रद्द करने का का निवेदन फाइल किया था माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इसपर र्वरति1 सितंबर 2026 को सुनवाई का दिन निर्धारित किया था।

साथियों, इस पूरे मामले को कानूनी पृष्ठभूमि शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी बनाम भारत संघ एवं अन्य,आपराधिक रिटयाचिका संख्या 280/2026 से जुड़ी है।इसके साथअन्य संबंधित याचिकाएं भी जुड़ी हुई हैं। 28 जुलाई 2026 को तीन सदस्यीय पीठ,मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना, ने पहली महत्वपूर्ण अंतरिम व्यवस्था की थी। न्यायालय के अभिलेख के अनुसार इन याचिकाओं में जंतर-मंतर, नई दिल्ली तथा देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शनकारियों मुख्यतः छात्रों, के खिलाफ कथित अत्यधिक पुलिस बल के



इस्तेमाल,लाठीचार्ज,आंसू गैस, रबर की गोलियों और अन्य कार्रवाई के आरोप उठाए गए थे।दूसरी ओर सरकार की ओर से यह कहा गया था कि प्रदर्शनों में कुछ गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले तत्व शामिल होकर हिंसा में लिप्त हुए और पुलिस कर्मियों को भी

गंभीर चोटें आईं। यह पूरी जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर ली गई है।

साथियों, 28 जुलाई के इसी आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण संतुलन कायम किया था। अदालत ने पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों को सीसीटीवी दृश्यांकन, ड्रोन से प्राप्त दृश्यांकन,शरीर पर लगाए गए कैमरों कीरिकॉर्डिंग वीडियो अभिलेख, वायरलेस संचार अभिलेख और पुलिस नियंत्रण कक्ष के अभिलेख सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था।साथ हीप्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं करने का आदेश दिया गया। राज्यों और पुलिस को प्राथमिकी की जांच आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई, लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ बलपूर्वक या दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया। इस सुरक्षा का अपवाद उन व्यक्तियों के लिए रखा गया था जिनकी पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि थी।नाबालिग बच्चों को, यदि वे इस आंदोलन के सिलसिले में हिरासत या गिरफ्तारी में थे और उनके खिलाफ ऐसी गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी, तो रिहा करने का भी निर्देश दिया गया था।

साथियों, यहीं से पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि शब्द पूरे मामले का सबसे संवेदनशील कानूनी प्रश्न बन गया। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस संदर्भ में पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि का अर्थ किसी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज हर छोटी-बड़ी प्राथमिकी या मामूली पुराने मामले से नहीं है, बल्कि गंभीर एवं जघन्य अपराधों से है।यह स्पष्टीकरण इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल यह तथ्य कि किसी प्रदर्शनकारी के खिलाफ अतीत में कोई प्राथमिकी

दर्ज रही है,उसे स्वतः सर्वोच्च न्यायालय की राहत से बाहर नहीं कर देता।3 अगस्त के स्पष्टीकरण में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्य कानून के अनुसार विभिन्न प्राथमिकी को बंद या वापस लेने के संबंध में उचित निर्णय ले सकते हैं।

साथियों,1 सितंबर के आदेश का सबसे बड़ा प्रभाव दिल्ली तक सीमित नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने 20 से 25 जुलाई के छात्र प्रदर्शनों से संबंधित देशभर की प्राथमिकी को आगे अभियोजन अथवा जांच के लिए नहीं चलाने और उन्हें बंद मानने का निर्देश दिया। इसका अर्थ यह है कि जिस छात्र के खिलाफ केवल इस विशेष आंदोलन में भाग लेने के कारण प्राथमिकी हुई थी और जो गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अपवाद में नहीं आता, उसे व्यापक कानूनी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार के साथ बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र ने भी संबंधित प्राथमिकी समाप्त करने की मांग की थी। इस प्रकार यह मामला दिल्ली के जंतर-मंतर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के न्यायिक हस्तक्षेप का रूप ले चुका है।

साथियों,दिल्ली की स्थिति को समझना भी जरूरी है। दिल्ली पुलिस ने 20 से 25 जुलाई के आंदोलन से संबंधित 13 प्राथमिकी को आगे नहीं चलाने की इच्छा सर्वोच्च न्यायालय के सामने रखी थी। इन प्राथमिकी में दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और अन्य गंभीर आरोप शामिल थे; उपलब्ध समाचार विवरणों के अनुसार इनमें से 10 प्राथमिकी में हत्या के प्रयास से संबंधित आरोप भी थे।पुलिस ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय से इन मामलों को समाप्त करने का अनुरोध किया था।लेकिन इसी के साथ उसने 2,873 ऐसे व्यक्तियों के लिए एक अलग और केंद्रित प्राथमिकी की अनुमति मांगी जिन्हें गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाला बताया गया और जिनकी प्रदर्शन स्थल पर मौजूदगी सटीकता से चिह्नित की गई थी।

साथियों, 2,873 का आंकड़ा इस आदेश की सबसे अधिक चर्चा में रहने वाली बात है, लेकिन इसे समझते समय पत्रकारिता में अत्यधिक सावधानी आवश्यक है। ये 2,873 लोग सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दोषी घोषित नहीं किए गए हैं। उनका अपराध सिद्ध नहीं हुआ है।

कॉलेजियम प्रणाली पर देशव्यापी चिंता

विनय झैलावत

हाल ही में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां द्वारा कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता नहीं होने की आलोचना करने के बाद यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के कारणों का खुलासा नहीं होने से न्यायपालिका का नुकसान हो रहा है। नियुक्ति न किए जाने का कारण न बात कर कॉलेजियम ऐसे न्यायाधीशों के साथ अन्याय कर रहा है, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। इस तरह हम न्यायपालिका में कुछ ऐसे लोगों को प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं, जो बाद में समाज के एक वर्ग के लिए ‘चिट्ठियां’ जैसी असाविधानिक टिप्पणियां करते हैं और उनका कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए चर्चा होनी चाहिए और कारण बताए जाने चाहिए। खुली अदालतों व जनता के जानने के अधिकार का सिद्धांत न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में भी लागू होना चाहिए। लोगों को जानने का अधिकार है कि उनके न्यायाधीश कौन होंगे? उन्होंने कैसे फैसले दिए हैं? न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि न्यायाधीशों की पदोन्नति-नवादातों पर विचार-विमर्श गोपनीय रहता है और किसी सिफारिश को अस्वीकार या स्थगित करने के कारणों का खुलासा शायद ही कभी किया जाता है। न्यायमूर्ति भुइयां ने सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम के पिछले तीन ज्ञापनों का जिक्र कर कहा कि इनमें पदोन्नति की सिफारिश का कारण नहीं बताया गया है, वहीं पहले के ज्ञापनों में एक ही कारण बताया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक न्यायिक अधिकारी की रिट याचिका पर सुनवाई करते से इन्कार कर दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए अपने नाम पर विचार करने की मांग की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने मौखिक रूप से कहा कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम को कोई न्यायिक निर्देश नहीं दिया जा सकता। याचिकाकर्ता अरविंद महतोआ अभी धर्मशाला में फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज हैं। उनकी शिकायत थी कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स के नाम उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हेतु आगे बढ़ाए। इन पर बाद में सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने भी

मंजूरी दी। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि सितंबर, 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय कॉलेजियम को याचिकाकर्ता और एक अन्य न्यायाधीश के नाम पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। हालांकि, याचिकाकर्ता के मामले में ऐसा नहीं किया गया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना व न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे पता चले कि उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने याचिकाकर्ता का नाम खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्हें कुछ दस्तावेज जमा करने को कहा गया था। लेकिन, उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके जूनियर्स का नाम सुप्रीम कोर्ट को भेज दिया। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की थी। 2024 में दो जिला न्यायाधीशों ने सर्वोच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की। उनका तर्क था कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए नामों की सिफारिश करते समय उनकी योग्यता और वरिष्ठता को नजरअंदाज किया। सितंबर 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार की और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से उनके नामों पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की सिफारिश एक समिति द्वारा की जाती है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं। यह प्रस्ताव दो वरिष्ठतम सहयोगियों के प्रारम्भ से संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता है। सिफारिश मुख्यमंत्री को भेजी जाती है, जो केंद्रीय कानून मंत्री को प्रस्ताव राज्यपाल को भेजने की सलाह देता है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति इस आधार पर की जाती है कि वह राज्य से बाहर का व्यक्ति होगा। संविधान के अनुच्छेद 224(ए) के तहत सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालयों में लॉबित मामलों के निपटारे के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति पर जोर दिया है।

शिक्षक दिवस विशेष : एक शिक्षक की मेहनत ने रच दी मिसाल

धमतरी। कहते हैं कि बदलाव के लिए बड़े संसाधनों से ज्यादा जरूरी होती है एक मजबूत सोच और उसे जमीन पर उतारने का जुनून। धमतरी के धौराभाटा गांव में पदस्थ शिक्षक लीलाराम साहू ने इसी सोच को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया और एक सरकारी स्कूल की तस्वीर बदलकर रख दी।

कभी जिस स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या महज 28 थी, आज उसी शाला में 125 बच्चे पढ़ रहे हैं। खास बात यह है कि यहां बच्चों का रुझान लगातार बढ़ रहा है और अभिभावकों का भरोसा भी



सरकारी स्कूल की ओर मजबूत हुआ है। शासकीय प्राथमिक शाला धौराभाटा के प्रधानपाठक लीलाराम साहू का मानना है कि बच्चों के लिए पढ़ाई बोझ

नहीं, बल्कि सीखने और आनंद लेने का माध्यम होनी चाहिए।

इसी सोच के साथ उन्होंने पारंपरिक पढ़ाई के साथ कई नवाचारों को

अपनाया। खेल-खेल में पढ़ाई, सरल तरीके से कठिन विषयों को समझाना और तकनीक का इस्तेमाल—इन प्रयासों ने बच्चों में पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी

बढ़ाई। स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। लीलाराम साहू के प्रयासों का असर स्कूल की दर्ज संख्या में साफ दिखाई देता है।

जिस शाला में कभी सिर्फ 28 विद्यार्थी थे, वहां अब 125 बच्चे शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लीलाराम साहू ने अपने शिक्षक जीवन में तीन अलग-अलग स्कूलों में सेवाएं दी हैं। उन्होंने मुड़पार, तरसीवां और धौराभाटा में काम करते हुए स्कूलों को स्मार्ट शाला के रूप में विकसित करने की दिशा में काम

किया। मुड़पार में भी उनके कार्यकाल के दौरान विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई।

उनका मानना है कि स्कूल का विकास किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं होता। इसके लिए शिक्षकों, पालकों, समुदाय और शासन-प्रशासन सभी का सहयोग जरूरी है।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए शिक्षक दिवस के अवसर पर लीलाराम साहू को सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल रमैन डेका उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे।

राज्यपाल सम्मान की खबर सामने आने के बाद धौराभाटा गांव में भी खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, पालकों और स्कूल के विद्यार्थियों के लिए यह गर्व का क्षण है।

लीलाराम साहू की कहानी यह बताती है कि सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने के लिए सिर्फ बड़ी इमारतें या महंगे संसाधन ही जरूरी नहीं। अगर शिक्षक के भीतर बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने का जुनून हो, तो सीमित संसाधनों में भी एक स्कूल को 'विद्या का मंदिर' बनाया जा सकता है।

काटकर ले जाने वाले दो आरोपी वन विभाग की कार्रवाई में पकड़े गए

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। वन्यजीवों के संरक्षण एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वन परिक्षेत्र मरवाही अंतर्गत मरवाही वृत्त के उसाढ़ परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 2035 में मृत मिले भालू के नाखून काटकर ले जाने के मामले में वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से भालू के चार नाखून बरामद किए गए हैं। वन विभाग को 3 सितम्बर को कक्ष क्रमांक 2035 में भालू के मृत होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मृत भालू के पिछले दाएं पंजे के चार नाखून गायब थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग द्वारा तत्काल सर्च एवं पतासाजी अभियान प्रारंभ किया गया। इस दौरान डॉंग स्कॉड टीम की सहायता से क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों सुदर्शन यादव उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम बरौर तथा सूरज साहिब उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम बरौर को पकड़ा।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित होंगी रायगढ़ की दो शिक्षिकाएं

रायगढ़। जिले की दो शिक्षिकाओं श्रीमती ओमकुमारी पटेल एवं श्रीमती आरती साहू का चयन शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान के लिए किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए वर्ष 2025 में इनके सम्मान की घोषणा की गई थी। दोनों शिक्षिकाओं को 5 सितम्बर 2026 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा। दोनों शिक्षिकाएं वर्तमान में शासकीय प्राथमिक शाला सेमरा, विकासखंड पुसौर में पदस्थ हैं।

श्रीमती ओमकुमारी पटेल की शिक्षकीय यात्रा नवाचार और समर्पण की मिसाल
उनके मार्गदर्शन में सत्र 2019-20 में विद्यार्थी निखिल साहू का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण दौर में भी उन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों में बच्चों की पढ़ाई जारी रखी और विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं

नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हुआ चयन



श्रीमती आरती साहू ने 30 जून 2009 को शिक्षक के रूप में सेवा प्रारंभ की। स्नातकोत्तर (वाणिज्य), छत्तीसगढ़ी भाषा, बी.एड. एवं केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा की योग्यता रखने वाली श्रीमती साहू वर्तमान में शासकीय प्राथमिक विद्यालय सेमरा में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण-अधिगम सामग्री और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को रोचक एवं नवाचारी शिक्षा प्रदान कर रही हैं।

नवाचारी कार्यों के लिए वर्ष 2020 में उन्हें 'शिक्षा दूत पुरस्कार' से भी



श्रीमती ओमकुमारी पटेल ने 27 जून 2009 को शिक्षक के रूप में अपनी सेवा यात्रा प्रारंभ की। उनकी प्रथम पदस्थापना प्राथमिक शाला हिर्री, सारंगढ़ में हुई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने गतिविधि आधारित शिक्षण, शिक्षण-अधिगम सामग्री और नवाचारी शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से बच्चों में सीखने की रुचि, आत्मविश्वास और रचनात्मकता विकसित करने का प्रयास किया। वर्ष 2013 में शासकीय प्राथमिक शाला शंकरपाली, पुसौर में स्थानांतरण के बाद उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सामुदायिक सहभागिता और नवाचार को नई दिशा दी।

सम्मानित किया गया। विद्यालय विकास को सामाजिक दायित्व मानते हुए उन्होंने

त्योहारों से पहले पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 50 से अधिक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

बिलासपुर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में कानून-व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिलासपुर पुलिस ने शहरी एवं ग्रामीण थाना क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के साथ ही विवाद और उपद्रव की आशंका वाले लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई के तहत बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 50 से अधिक लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक और आम सुखशा संबंधी कार्रवाई की गई।

पुलिस का उद्देश्य आगामी त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही संभावित उपद्रवियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। त्योहारों को देखते हुए जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने सक्रियता बढ़ाते हुए ऐसे लोगों की पहचान की,



जिनसे शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया अमनाते हुए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक शांति भंग करने या

माहौल खराब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसी अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से कबाड़ का कारोबार संचालित करने वाले कबाड़ियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने संदिग्ध एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त कबाड़ियों की जांच करते हुए कई लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आगामी त्योहारों के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार पेट्रोलिंग, सदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिस की नजर ऐसे लोगों पर भी रहेगी, जो विवाद, उपद्रव या किसी अन्य तरीके से सामाजिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

वन तस्करी के सिंडिकेट का भंडाफोड़: तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले के वन क्षेत्र से खैर एवं तेंदू प्रजाति के लड़कियों की कटाई और उनके अवैध भंडारण के एक बड़े सिंडिकेट का खुलासा हुआ है।



धोखाधड़ी, भारतीय वन अधिनियम और संगठित अपराध की गंभीर धाराओं के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह सिंडिकेट ओड़िशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश तक लकड़ियों की कटाई और तस्करी को अंजाम देता था। जिला रायगढ़ के धरमजयगढ़, घरघोड़ा, तमनार वन परिक्षेत्र में ग्रामीणों को पैशों का लालच देकर उनसे पेड़ों की अवैध कटाई करवाया जा रहा था। लकड़ियों को रोहित मित्तल अपने गढ़उमरिया स्थित गोदाम में डंप कर अपने सहयोगी मनीष अग्रवाल के साथ वाहन

मालिक भरत कुमार मेश्राम और सलाउद्दीन खान के साथ इन बेसकौमती लड़कियों को हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में अधिक मूल्य में ट्रांसपोर्टिंग के की अवैध तस्करी को वैध दिखाने के लिए फर्जी तरीके से ट्रांसपोर्ट परमिट (टीपी) बनने और बड़ी चालाकी से राज्य के बाहर बेचकर मुनाफा कमा रहे थे। इस इंटर स्टेट सिंडिकेट का वन विभाग रायगढ़ और जिला पुलिस रायगढ़ ने खुलासा किया है और सिंडिकेट में शामिल मुख्य आरोपी मनीष अग्रवाल, रोहित मित्तल और सलाउद्दीन खान के खिलाफ थाना जूमिल में धोखाधड़ी और वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर रिमांड पर भेजा गया।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

3 साल में बनी 68 लाख की सड़क सालभर में हुई जर्जर

गरियाबंद। जिले के ग्राम गौरघाट, देहारगुड़ा, गिरहोला, आमागुड़ा, सिंहार, रामपारा के ग्रामीणों का गुस्सा आज जर्जर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क को लेकर फूट पड़ा। पहले रैली निकालकर शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, इसके बाद सड़क के गड्ढों में धान के साथ बेशरम के पौधे का रोपण किया। ग्रामीणों के इस प्रदर्शन को देखने लोगों की भीड़ लगी रही। शुक्रवार को दोपहर 12 बजे सैकड़ों ग्रामीण एकत्रित होकर जर्जर सड़क को लेकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क का निर्माण कार्य 2018 में प्रारंभ किया गया था, जो 3 साल में बनकर तैयार हुआ। सड़क निर्माण के साथ ही पहले साल में ही जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। जब इसकी शिकायत उन्होंने अधिकारियों से की तो, उन्होंने मरम्मत का आश्वासन दिया। लेकिन अब अधिकारी कह रहे हैं कि सड़क निर्माण की गारंटी 5 वर्ष की होती है। अब इसका समय निकल गया है। ग्रामीणों ने कहा सड़क खराब होने से क्षेत्र के ग्राम गौरघाट, देहारगुड़ा, खामभाटा, गिरहोला, अचानपुर, सिंहार, रामपारा के हजारों ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

गणित सिखाने के लिए शिक्षिका का अनोखा नवाचार

दुर्ग। आज के समय में हनोदा सरकारी स्कूल की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है। गणित कक्षा में बच्चों की संख्या बढ़ाने का श्रेय यहां की शिक्षिका डॉ। प्रज्ञा सिंह को जाता है। जो बच्चों को किताबों से नहीं, बल्कि खेल-खेल में गणित सिखाती हैं। मैथ्स पार्क में बच्चे कुर्सी दौड़ लगाते हैं, क्लासरूम में लूडो और सांप-सीढ़ी खेलते हैं और इसी खेल के बीच जोड़, घटाव, कोण और पूर्णांक जैसे कठिन टॉपिक आसानी से सीख जाते हैं। एक दिन डॉ। प्रज्ञा बच्चों को त्रिभुज के अंतः कोणों का योग पढ़ा रही थीं। तभी कक्षा में मौजूद एक मानसिक दिव्यांग बच्ची ने हाथ हिलाकर कहा कि देखो ना मैडम, मोरो चंदा बन गये, यानी मेरा चंद भी बन गया। इसी मासूम को बात से उनके दिमाग में एक नया आइडिया क्लिक किया।बच्चों न गणित को एंक्टिविटी बेस्ड बनाया जाए।इसके बाद उन्होंने गणित को रोचक बनाने पर काम करना शुरू किया।सबसे पहले केवल एक प्रोजेक्ट तैयार किया।लेकिन जब बच्चों का रुझान पढ़ाई की ओर बढ़ा तो कई प्रोजेक्ट बन गए।

प्रताड़ना के आरोप में बहू सहित तीन गिरफ्तार

कोरबा। सौतेली सास ने बहू की कथित प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें एक महिला अपनी बहू पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए फांसी लगाने जा रही थी। पुलिस की जांच में दीवार पर सुसाइड नोट भी लिखा हुआ मिला था। इस मामले में जांच के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने मृतका की सौतेली बहू सहित उसके दो अन्य परिजनों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है। प्रथम दृष्टया आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। बीते 27 अगस्त को लक्ष्मी बाई मानिकपुरी(लगभग 40 वर्ष) द्वारा अपने घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई थी। घटना की सूचना पर थाना कोतवाली कोरबा में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया था। मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल पर दीवार पर सुसाइड नोट लिखा हुआ मिला। सुसाइड नोट में लक्ष्मी बाई ने अपनी बहू पूर्णिमा एवं उसके मायके पक्ष के लोगों द्वारा परेशान किए जाने के कारण आत्महत्या करना लिखा था।

बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता पर नहीं पहुंचेगा नुकसान: वनमंत्री

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ में चल रहे वन महोत्सव के तहत कोंडागांव जिले के केशकाल वन मंडल अंतर्गत बौरापारा में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महोत्सव में वन मंत्री केदार कश्यप, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, डीएफओ दिव्या गौतम समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देते हुए 15 से ज्यादा प्रजाति के 6 हजार से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने के बाद पेड़ों की कटाई और जंगल उद्योगपतियों को सौंपे जाने के कथित टिप्पणी को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जनता के बीच इस तरह का भ्रम फैला रहे हैं, जिसे बंद किया जाना चाहिए। वन मंत्री ने बस्तर की संस्कृति और प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखने की बात कहते हुए कहा कि बस्तर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पंडरिया में दही हांडी प्रतियोगिता

पंडरिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में दही हांडी फोड़ का आयोजन किया गया। पंडरिया विधानसभा के कुंडा बस स्टैंड मैदान में पहली बार विधानसभा स्तरीय कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं दही हांडी प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का आयोजन पंडरिया विधायक भावना बोहरा के मार्गदर्शन में कुंडा मंडल व पांडातराई मंडल के संयुक्त संयोजन और भाजयुमो के नेतृत्व में किया गया। पंडरिया में कृष्ण जन्माष्टमी के एक दिन पहले आस्था, उत्साह सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला। दही हांडी प्रतियोगिता की शुरुआत पूजा अर्चना से हुई। हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयघोष के बीच कर 40 गांव के हजारों दर्शकों ने दही हांडी फोड़ का अदभुत एवं रोमांच भरा नजारा देखा। 10 गोविंदा टोलियों ने दही हांडी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। 35 से 40 फीट ऊंचाई पर दही हांडी बांधी गई। हर टोली को पिरामिड बनाने के लिए तीन अवसर दिए गए।टोली में बच्चे व युवा वर्ग ने भाग लिया।

जिपं सामान्य सभा में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की हुई विस्तृत समीक्षा

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समोरा पैकरा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में विधायक मरवाही श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्यगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागावार योजनाओं, उपलब्धियों, बजट तथा जनहित से जुड़े विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वन विभाग की समीक्षा के दौरान वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में किए गए कार्यों एवं योजनाओं, वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों की जानकारी ली गई। जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण एवं वन

संरक्षण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। हाथियों से होने वाली जनहानि, पशुहानि, फसल एवं वनस्पति की क्षति के संबंध में भी चर्चा हुई। वनमंडलाधिकारी ने क्षति आकलन, प्रकरण तैयार करने तथा नियमानुसार क्षतिपूर्ति प्रदान करने की प्रक्रिया से सदन को अवगत कराया। क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत राशि उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं आश्वासन दिया गया। बैठक में नवपदस्थ वनमंडलाधिकारी श्री कुमार निशांत का जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा स्वागत भी किया गया। खेल विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में आयोजित खेल गतिविधियों एवं भौतिक प्रगति की जानकारी दी गई। ग्रामीण एवं स्थानीय स्तर की खेल प्रतिभाओं को

प्रोत्साहित करने तथा खिलाड़ियों को खेल सामग्री एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। सहकारिता में विभाग की समीक्षा में विभागीय गतिविधियों एवं सहकारी संस्थाओं के कार्यों की जानकारी ली गई। किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को सहकारिता व्यवस्था के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष ने यूरिया की उपलब्धता की जानकारी ली। राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण लेने वाले ग्रामीणों एवं किसानों के लिए विभागीय कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित योजनाओं एवं पोषण संबंधी गतिविधियों की स्थिति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों को खरीदी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और प्रक्रिया सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था की समीक्षा में खाद्यान्न की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की जानकारी ली गई। पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए महिला एवं बाल हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा विभागीय कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित योजनाओं एवं पोषण संबंधी गतिविधियों की स्थिति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बवाल

रायगढ़। खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तारापुर में सरपंच के खिलाफ प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव को लेकर विवाद अब सड़क से थाने तक पहुंच गया है। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन पर पंचों पर कथित रूप से दबाव बनाने और उन्हें धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर शुक्रवार सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण कोतारा रोड थाने के सामने जमा हुए और गिरफ्तार किए गए उप सरपंच राजीव डनसेना को तत्काल रिहा करने की मांग कर रहे हैं। विधायक उमेश पटेल भी थाने पहुंचकर धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में सरपंच की कथित मनमानी के खिलाफ पंचों और ग्रामीणों ने अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू की है। इसी बीच पंचों पर दबाव बनाने और उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। इसी विरोध में ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया है। मामले ने उस समय राजनीतिक रंग ले लिया, जब कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री एवं खरसिया विधायक उमेश पटेल अपने समर्थकों के साथ कोतारा रोड थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए



ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव, घरने पर बैठे पूर्व मंत्री उमेश पटेल

आरोप लगाया कि अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। उमेश पटेल थाने में ही धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने पुलिस पर उपसरपंच राजीव डनसेना समेत पंचायत प्रतिनिधियों पर कथित रूप से दबाव बनाने और अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। विधायक के थाने पहुंचने के बाद मामला और अधिक गरमा गया। वहीं, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन ने पुलिस पर लगाए जा रहे आरोपों को अलग संदर्भ में बताया है।



विरासत, विकास और विश्वास

की नई यात्रा में

छत्तीसगढ़ की उपलब्धियां

अतीत की अमूल्य धरोहर से भविष्य के विकसित छत्तीसगढ़ तक



“छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी गौरवशाली विरासत, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता से है। हमारी सरकार विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। कांगेर वैली को वैश्विक पहचान दिलाने से लेकर मल्हार, सिरपुर और प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण तक, हम अपनी जड़ों को सहेजते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी विरासत पर गर्व करें और विकास के नए अवसरों से भी जुड़ें। — विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़”

छत्तीसगढ़ आज केवल प्राकृतिक संसाधनों और जनजातीय संस्कृति की भूमि भर नहीं है, बल्कि यह अपनी हजारों वर्षों पुरानी विरासत, तेज़ी से विकसित होती अधोसंरचना और जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एक ओर जहां अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर रही है, वहीं दूसरी ओर विकास और जनविश्वास के नए आयाम भी स्थापित कर रही है। राज्य की यह यात्रा केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने की एक ऐसी विकासगाथा है, जिसमें विरासत, विकास और विश्वास तीनों समान रूप से शामिल हैं।

संवाद-48873/2

विरासत का वैभव

हजारों वर्षों के इतिहास को संजोता छत्तीसगढ़

शैलचित्रों की धरती

सिंहनपुर, कबरा पहाड़ (रायगढ़), चितवाडोंगरी (बालोद) और चरामा (कांकेर) के प्रागैतिहासिक शैलचित्र मानव सभ्यता के प्रारंभिक विकास के महत्वपूर्ण प्रमाण हैं। चरामा में मिले लगभग 10,000 वर्ष पुराने चित्र विश्वभर के शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

सिरपुर की प्राचीन सभ्यता

महानदी के तट पर स्थित सिरपुर 5वीं से 12वीं शताब्दी के दौरान बौद्ध, जैन और हिंदू धर्म का प्रमुख केंद्र था। यहां 12 बौद्ध विहार, प्राचीन लक्ष्मण मंदिर, मठ, मूर्तियां और भूमिगत स्नानगृह के अवशेष मिले हैं।

ताला की रूद्रशिव प्रतिमा

बिलासपुर जिले के ताला स्थित देवरानी-जेठानी मंदिर परिसर से प्राप्त रूद्रशिव प्रतिमा युगकालीन कला का अद्वितीय उदाहरण है, जिसमें अनेक जीव-जंतुओं के स्वरूप शिव की विराट कल्पना को दर्शाते हैं।

मल्हार के ताम्रपत्र

बिलासपुर के मल्हार में मिले लगभग 1400-1500 वर्ष पुराने ताम्र-पट्टिकाएं भारतीय इतिहास के लिए अमूल्य धरोहर हैं। इन पर अंकित ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में शासन, संस्कृति और सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

अन्य पुरातात्विक स्थलों की पहचान

दीपादीह (सरगुजा), पचराही (कबीरधाम), करकाभाट (बालोद) और तरीघाट (दुर्ग) जैसी जगहें महापाशाणकाल से मध्यकालीन इतिहास तक की धरोहरों को संजोए हुए हैं।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरें

- सिंहनपुर और कबरा पहाड़ (रायगढ़)
- चितवाडोंगरी (बालोद)
- चरामा (कांकेर)
- सिरपुर (महासमुंद)
- ताला - देवरानी-जेठानी मंदिर (बिलासपुर)
- दीपादीह (सरगुजा)
- पचराही (कबीरधाम)
- करकाभाट (बालोद)
- तरीघाट (दुर्ग)



अनूठी जैव-विविधता प्रदेश की अद्वितीय पहचान

वैश्विक पहचान की दहलीज पर



यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल कांगेर वैली

बस्तर स्थित कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची (Tentative List) में शामिल किया गया है। कोटमसर, कैलाश और दंडक गुणाएं, दुर्लभ वन्यजीव, 900 से अधिक वनस्पति प्रजातियां, 200 से अधिक पक्षी प्रजातियां और अनूठी जैव-विविधता इसे विश्व स्तर पर अद्वितीय बनाती हैं। यह उपलब्धि पर्यटन, स्थानीय रोजगार और जनजातीय समुदायों के आर्थिक सशक्तीकरण के नए अवसर पैदा करेगी।

लोक संस्कृति और परंपराएं

हमारी पहचान, हमारी आत्मा

- 35 से अधिक जनजातीय समुदायों की समृद्ध संस्कृति
- पंडवानी, राउत नाचा, सुवा नृत्य, करमा, दीवारी जैसे लोकनृत्य
- बस्तर कला, ढोकरा शिल्प, बॉस और लकड़ी की कला का संरक्षण
- ग्रामीण और इको-टूरिज्म के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक अवसरों से जोड़ना



विकास के नए आयाम

आधुनिक छत्तीसगढ़ की पहचान

नई विधानसभा - नए संकल्प

नवा रायपुर में बना अत्याधुनिक विधानसभा भवन लोकतंत्र, पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसे छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की विकास यात्रा का गौरवपूर्ण अध्याय बताया।

शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव विकास

राज्य में IIT, IIM और AIIMS जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं की उपस्थिति से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है।

सतत विकास लक्ष्य (SDG) में उत्कृष्ट प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ के अधिकांश जिले 'फ्रंट रनर' श्रेणी में शामिल होकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में मिसाल कायम कर रहे हैं।

जनजातीय उत्थान की मजबूत पहल

प्रधानमंत्री जनमन अभियान और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में पक्का आवास, बिजली, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

खेल प्रतिभाओं को मिल रही पहचान

जशपुर के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ में 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड बनाकर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी जगह निति की प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में उनका उल्लेख प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा है।

छत्तीसगढ़ की प्रमुख उपलब्धियां

- कांगेर वैली को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल।
- नई और अत्याधुनिक विधानसभा भवन।
- सतत विकास लक्ष्यों (SDG) में अग्रणी जिले।
- IIT, IIM और AIIMS जैसी राष्ट्रीय संस्थाएं।
- प्रधानमंत्री जनमन अभियान।
- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान।
- खेल, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान।

→ विरासत से शक्ति

• विकास से समृद्धि

• विश्वास से भविष्य

←

केंद्रीय वस्त्र मंत्री ने तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से नई दिल्ली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को दिए गए विशेष प्रोत्साहनों तथा इस क्षेत्र में आ रहे निवेश की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और अपैरल मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने तथा आधुनिक तकनीक, डिजाइन और नवाचार को राज्य के पारंपरिक वस्त्र कौशल से जोड़ने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल सेक्टर के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल सेक्टर को श्रस्ट सेक्टर के रूप में शामिल किया है। इसके अंतर्गत इस क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्यमियों के लिए



आकर्षक प्रोत्साहन एवं अनुदान का प्रावधान किया गया है। इन प्रावधानों के परिणामस्वरूप टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है और प्रदेश में नई इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति का प्रमुख उद्देश्य निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। इसी दृष्टि से एक हजार से अधिक लोगों

को रोजगार उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। टेक्सटाइल और अपैरल उद्योग श्रम आधारित होने के कारण बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। नई नीति के इन प्रावधानों से छत्तीसगढ़ टेक्सटाइल निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय मंत्री को

बताया कि नवा रायपुर अटल नगर में टेक्सटाइल क्षेत्र की नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को गति मिल रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि यहां केवल उत्पादन इकाइयां ही स्थापित न हों, बल्कि टेक्सटाइल एवं अपैरल क्षेत्र का एक समग्र इको-सिस्टम विकसित हो, जिसमें डिजाइन, उत्पादन, कौशल विकास, आधुनिक तकनीक और बाजार की सुविधाएं एक-दूसरे से जुड़ी हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग की विशेषता यह है कि अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ इसमें महिलाओं और युवाओं के लिए भी व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। इस क्षेत्र में निवेश बढ़ने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और सहायक उद्योगों तथा स्थानीय उद्यमिता को भी प्रोत्साहन मिलेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध वस्त्र एवं हस्तशिल्प परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश का कोसा सिल्क देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस्कोन और राधाकृष्ण मंदिरों में खास पूजा अर्चना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में विशेष सजावट और तैयारियां की गई हैं। गोविंदाओं की शोभा यात्रा के साथ दही हांडी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। जन्माष्टमी के मौके पर रायपुर के इस्कोन मंदिर और भिलाई के अक्षयपात्र राधाकृष्ण मंदिर का फूलों से श्रृंगार किया गया है। सुबह से ही भक्तों की भीड़ श्रीकृष्ण के दर्शन को पहुंच रही है। रामानुजगंज में कन्हर नदी के तट पर स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारी की की गई है। पूरे मंदिर को रोशनी के साथ सजाया गया है।मंदिर के मुख्य द्वार और आसपास रंग बिरंगी लाइटिंग



झालर लगाई गई है। मंदिर के अंदर फूलों से सजावट की गई है। भावना को विशेष रूप से छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा।

राम मंदिर के पुजारी यशपाल दुबे ने बताया कि हर साल जन्माष्टमी पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था, इसलिए रात 11 बजे से विशेष पूजा अर्चना

की जाएगी. उसके पहले मंडली परंपरागत रूप से भजन कीर्तन करेंगी. जशपुर के रियासतकालीन बालाजी मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष आयोजन किया गया है. श्री बालाजी जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित

मटकी फोड़ प्रतियोगिता के लिए पहली बार गोविंदा दलों की शोभायात्रा निकाली जा रही है. कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बालाजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की परंपरा धार्मिक विधि-विधान और भक्ति भाव के साथ मनाई जाती है. मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है.

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदेश भर में चीनी सत्याग्रह

रायपुर/बीजापुर/दुर्ग/बेमेतरा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने महंगाई को लेकर प्रदेश के अलग अलग इलाकों में प्रदर्शन किया. जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ने महंगाई को लेकर राजधानी के फायर ब्रिगेड चौक पर धरना दिया. कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आजादी के बाद पहली बार भारत का आयात करना पड़ रहा है. इसके पहले शकर भारत से दूसरे देशों में निर्यात हुआ करती थी.

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि आज की तारीख में आम जनता के साथ ही महंगाई को लेकर हर कोई परेशान और त्रस्त है. भाजपा की केंद्र और राज्य में सरकार के साथ ही नगर निगम में भी भाजपा की सरकार है. बावजूद इसके महंगाई कम होने का नाम नहीं ले रही है.श्रीकुमार मेनन ने कहा कि पहले से लोग पेट्रोल डीजल बिजली बिल से परेशान हैं. अब राशन सामान के दाम भी महंगे हो गए हैं.तेल, शकर, गेहूं, दाल और प्याज के दाम भी बढ़ा दिए हैं. अब लोगों का जीना भी मुश्किल हो गया है. रोजगार के अवसर नहीं है. महंगाई दिनों दिन बढ़ रही है. लोगों की तनख्वाह नहीं बढ़ रही है. बढ़ी हुई महंगाई को लेकर कांग्रेस दिल्ली से लेकर रायपुर तक लड़ाई लड़ रही है. श्रीकुमार मेनन ने यह भी कहा कि प्रदर्शन करके हम सरकार को मजबूर करेंगे कि महंगाई को कम करें. जमाखोरी रोकने का काम करें, तभी हमारी लड़ाई खत्म होगी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रेम और संस्कृति से जुड़े रहने का पर्व : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज मानस मंच लोरमी में सर्व यादव समाज एवं यदुवंशी सेना द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को संवोधित करते हुए कहा कि यादव समाज सनातन संस्कृति और परंपराओं की मजबूत पहचान है। समाज राउत नाचा जैसी समृद्ध लोक परंपराओं को आज भी सहेजकर आगे बढ़ा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें एकजुटता, प्रेम और उल्लास के साथ अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देता है।

जन्माष्टमी उत्सव पर मानस मंच से बाइक रैली निकाली गई। रैली शिवपाट होती हुए लोरमी शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी।



इसके बाद शीतला मंदिर, बाजारपारा से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो मेन रोड होते हुए मानस मंच पहुंची।मानस मंच में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। छत्तीसगढ़ रत्न प्रसिद्ध लोकगायिका आरु साहू ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही %महादेव तांडव% रोड शो और बाइक रैली निकली। बड़ी संख्या में समाज के लोग और श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सर्व यादव समाज लोरमी द्वारा नि:शुल्क रक्तदान शिविर भी

आयोजित किया गया। शिविर में समाज के साथ इच्छुक लोगों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. अशोक जायसवाल, जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, श्री विक्रम सिंह, श्री गुरमीत सलूजा, श्री धनीराम यादव और श्री संजय यादव सहित यादव समाज तथा यदुवंशी सेना के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए।

बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा: कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चल रहे वन महोत्सव के तहत कोंडगांव जिले के केशकाल वन मंडल अंतर्गत बीरापारा में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. महोत्सव में वन मंत्री केदार कश्यप, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, डीएफओ दिव्या गौतम समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए. इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देते हुए 15 से ज्यादा प्रजाति के 6 हजार से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया.

कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने के बाद पेड़ों की कटाई और जंगल उद्योगपतियों को सौंपे जाने के कथित टिप्पणी



को लेकर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि कुछ लोग जनता के बीच इस तरह का भ्रम फैला रहे हैं, जिसे बंद किया जाना चाहिए. वन मंत्री ने बस्तर की संस्कृति और प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखने की बात कहते हुए कहा कि बस्तर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा.

बस्तर की जनता से भी आग्रह करना चाहता हूं कि वह ऐसे भ्रम

में ना आए. यह कृत्य इस तरह के भ्रम फैलाने वाले लोगों की मासिकता को दर्शाता है-केदार कश्यप, वन मंत्री विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि वन महोत्सव के माध्यम से शासन की ओर से प्रदेश में हरियाली बढ़ाने, वन संरक्षण को मजबूत करने और आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जा रहा है।

प्रदेश में दलालों और फर्जीवाड़े का अड़ा बन गया है: शुक्ला

रायपुर। बीज निगम में फर्जी नियुक्ति पत्र और स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर आदेश के मामले को सीधे तौर पर प्रशासनिक भ्रष्टाचार, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बताते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आते ही भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का खुला खेल शुरू हो गया है। कृषि विभाग के



सबसे महत्वपूर्ण अंग 'बीज निगम' में फर्जी नियुक्ति पत्र और फर्जी ट्रांसफर आदेश बांटे जा रहे हैं। एक तरफ छत्तीसगढ़ का बेरोजगार युवा सड़कों पर भटक रहा है, वहीं दूसरी तरफ बीज निगम में बैकडोर से पैसे लेकर फर्जी नियुक्तियों का सिंडिकेट चल रहा है। बीज निगम सीधे तौर पर किसानों के हितों से जुड़ा है, यह सीधे तौर पर हमारे युवाओं के साथ धोखा और किसानों के साथ गद्दारी है। भाजपा सरकार राज्य में 'सुशासन' और 'जीरो टॉलरेंस' का ढिंढोरा पीट रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि बीज निगम जैसी महत्वपूर्ण संस्था में महाप्रबंधक के डिजिटल हस्ताक्षर स्कैन कर उसका रेसमाल करके फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए जा रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर के लेटर पैड खुलेआम बट रहे हैं। हाल ही में बलौदा बाजार जिले में आरएमए के फर्जी ट्रांसफर आदेश मामले में दो बड़े भाजपा नेताओं की सिलसता उजागर हुए हैं।

सुनीता यादव को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान-2026 के लिए सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिले की शिक्षिका श्रीमती सुनीता यादव का चयन हुआ है। वे प्रदेश से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित एकमात्र शिक्षिका हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल और चेक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।बरमकेला विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय खिचरी में पदस्थ श्रीमती सुनीता यादव ने शिक्षा को नवाचार, साहित्य और तकनीक से जोड़कर बच्चों के सीखने को सरल और रोचक बनाया है। वे कक्षा के अंतिम पायदान पर रहने वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करती हैं। बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के लिए वे अपने खर्च से नियमित दूध उपलब्ध करने के साथ न्योता भोजन के लिए भी प्रेरित करती हैं। श्रीमती सुनीता दीक्षा एप, स्टोरीवीवर, ऑडियो बुक, पॉडकास्ट और लघु फिल्मों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाती हैं। बच्चों और स्वयं के अभिनय वाली लघु फिल्मों के जरिए विषयों को सहज ढंग से समझाने का उनका प्रयास विशेष पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक विद्यालयों में आए बदलाव पर उन्होंने शोध पत्र भी तैयार किया है।



सोशल मीडिया पर महापौर को गाली देने वाले पर मामला दर्ज



रायपुर। रायपुर की महापौर मीनल चौबे को सोशल मीडिया पर गाली देने वाले युवक के खिलाफ सिविल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच युवक की पहचान और वीडियो के संबंध में जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि जलभराव और सड़क निर्माण के मुद्दे को लेकर बनाए गए एक वीडियो में युवक ने महापौर के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद भाजपा पाषंड दल ने इसका विरोध करते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत की थी। बताया जा रहा है कि रायपुर में बारिश के बाद जलभराव और सड़क से जुड़े मुद्दों को लेकर युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो बनाया था। इसी वीडियो में महापौर मीनल चौबे के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणी किए जाने का आरोप है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला निगम की राजनीति से निकलकर थाने तक पहुंच गया। भाजपा पाषंड दल ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। पाषंड सिविल लाइन थाने पहुंचे और पुलिस से वीडियो बनाने और पोस्ट करने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बाल संरक्षण: प्रदेशभर में जागरूकता अभियान तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में रायपुर, बालोद और बेमेतरा की टीमों द्वारा स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, किशोर-किशोरियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। रायपुर जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, भटागांव द्वारा स्काउट गाइड, बेमेतरा की टीम, बालिकाओं के समूह, धूम्रपान करते पाए गए बालकों तथा आने-जाने वाले यात्रियों को बाल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं आदर्श नियम 2016, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं नियम 2020, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, दत्तक ग्रहण नियम 2022 सहित मिशन वास्तव्य, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, बाल सक्षम नीति और बाल संरक्षण नीति की जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में बाल हिंसा, शोषण, ट्रैफिकिंग, बाल श्रम, बाल तस्करी और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी लोगों को सजग किया गया।

वन विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मी होंगे नियमित

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में 7000 दैनिक वेतनभोगी और आकस्मिकता निधि के कार्यभारित कर्मियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिनमें इनमें से 10 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत 966 तृतीय श्रेणी और 2,664 चतुर्थ श्रेणी के पदों पर 3630 कर्मियों का नियमितीकरण किया जाएगा, वहीं 10 वर्ष से कम वालों का स्थाईकरण किया जाएगा। समिति को 15 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इसके बाद शासन स्तर पर नियमों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वन विभाग ने 1-1-98 के बाद से कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले कर्मचारियों के लिए भर्ती तथा सेवा शर्तें नियम, 2024 लागू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। अधिसूचना प्रारूप तैयार करने के लिए जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अमिताभ बाजपेयी की अध्यक्षता में समिति बनाई गई है। मुख्य वन संरक्षक, रायपुर वृत्त मण्णिवासगन एस. ओर वनमंडलाधिकारी, गरियाबंद मयंक पाण्डेय को सदस्य उप वन संरक्षक रौनक गोयल समिति के सदस्य सचिव बनाए गए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पाण्डेय के आदेश के अनुसार समिति को कर्मचारियों की भर्ती, सेवा शर्तों और संबंधित नियमों के सभी पहलुओं का परीक्षण करना होगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे अध्यक्षता और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय होंगे मुख्य वक्ता प्रबुद्धजन सम्मान व कार्यकर्ता सम्मेलन 7 को

रायपुर। आगामी 7 सितम्बर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में रायपुर सम्भाग स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साईस कॉलेज परिसर) में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे और अध्यक्षता केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम में रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, सामाजिक प्रतिनिधि,



जनप्रतिनिधि एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अशोक सिन्हा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों का सम्मान करने के साथ-साथ संगठन के कार्यकर्ताओं

में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक सहभागिता को मजबूत करना, समाज के प्रबुद्ध वर्ग और संगठन के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाना तथा पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रहे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना

है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भाजपा के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के उन प्रबुद्धजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, व्यवसाय, सामाजिक सेवा, कृषि, संस्कृति एवं अन्य क्षेत्रों में समाज और प्रदेश के

निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह भाजपा कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति हैं। इसलिए इस सम्मेलन में दोनों के बीच संवाद और सहभागिता को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। रायपुर सम्भाग के कार्यकर्ताओं में सम्मेलन को लेकर विशेष उत्साह है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। सम्मेलन में रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जिलों से भाजपा ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

रायपुर।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर बलौदाबाजार मार्ग पर शान्ति सरोवर ट्रिटीड सेन्टर में बहुत ही आकर्षक झांकी सजाई गई है। जिसमें इस सम्मेलन के बाल कालाकारों द्वारा महारास और श्रीकृष्ण का तुलादान नामक नृत्य नाटक की प्रस्तुति मन को मोह लेती है। इस झांकी का शुभारम्भ रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने किया।

इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि श्रीकृष्ण जयन्ती पर यही ईश्वरीय संदेश है कि श्रीकृष्ण के दैवी गुणों और विशेषताओं को जीवन में उतारने का



प्रयास किया जावे। गीता में बतलाए अनुसार अपने अन्दर छिपे हुए शत्रुओं का, क्रोधादि विकारों का नाश करने से ही छोटी-मोटी बातों के लिए जो घर-घर में महाभारत चल रहा है, उसे समाप्त कर सकेंगे। ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने आगे कहा कि विज्ञान के इस युग में श्रीकृष्ण की जयन्ती मना लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनके द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में गहन चिन्तन कर उसे जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने

बतलाया कि अर्जुन का अर्थ होता है ज्ञान अर्जन करने वाला। श्रीकृष्ण जयन्ती और गीता की सार्थकता इसी में है कि हेरक मनुष्य अर्जुन बने और गीता का अच्छी तरह से विवेचन कर उसे आत्मसात करने का प्रयास करे। कोई भी मनुष्य किसी का शत्रु नहीं होता है। इसका स्पष्ट उल्लेख श्रीमद् भगवद् गीता में मिलता है जिसमें लिखा है कि हे अर्जुन मनुष्य के अन्दर व्याप्त काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार ही उसके शत्रु हैं।